बी. ए. पत्रकारिता एवं जनसंचार **2020-23**

1. **विभाग/केंद्र का नाम : जनसंचार विभाग**
2. **पाठ्यक्रम का नाम :** बी. ए. पत्रकारिता एवं जनसंचार
3. **पाठ्यक्रम कोड: BAJMC/20-23**
4. **अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs):**
   (विभाग प्रत्येक पाठ्यक्रम के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख अधिकतम 200 शब्दों में करेगा)

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
1) जनसंचार एवं पत्रकारिता का मूल ज्ञान अर्जित करेगा। 2) भारतीय भाषाओं की पत्रकारिता का ज्ञानार्जन करके पत्रकारिता के माध्यम से भाषा के उत्थान में कार्य करेगा। 3) मीडिया का ज्ञान अर्जित करते हुए भारतीय एवं वैश्विक स्तर पर नैतिक दायित्व एवं मूल्य का विधि ज्ञान विकसित करेगा। 4) सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के दायित्व की समझ विकसित करना। 5) अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य पर जन्माध्यमों की समझ विकसित करना।	6) संचार कौशल में दक्षता प्राप्त करेगा। 7) प्रिंट मीडिया के विभिन्न कार्यक्षेत्र में निपुण बनेगा। 8) इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, रेडियो, टेलीविजन, फिल्म, न्यू मीडिया एवं फोटोग्राफी के क्षेत्र संचालित विभिन्न तकनीकों का ज्ञान एवं कार्यक्रम निर्माण की क्षमता विकसित होगी। 9) डिजिटल संचार तकनीकी का ज्ञानार्जन एवं उपयोग करने की क्षमता विकसित करना। 10) विज्ञापन एवं जनसंपर्क में क्षेत्र के लिए कार्यक्षमता बढ़ाना। 11) शोध के क्षेत्र में ज्ञानार्जन करते हुए स्थानीय समस्याओं के प्रति संवेदनशील बनेगा। 12) सहभागी संचार का प्रयोग एवं सांगठनिक रूप से कार्य करने की क्षमता का निर्माण करना।	13) मीडिया के व्यवसायिक एवं अकादमिक क्षेत्र में निपुण बनाना । 14) स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम के माध्यम से विभिन्न विद्याओं में दक्ष पेशेवर, मूल्यपरक मीडिया कर्मी तैयार करना।

5. **पाठ्यक्रम संरचना (Programme Structure) :**
   - प्रति सेमेस्टर पाठ्यचर्या (Course)
   - क्रेडिट (01 क्रेडिट के लिए प्रति सप्ताह 01 घंटे की कक्षा, तदनुरूप पाठ्य-सामग्री का निर्धारण करें)
   - शिक्षण एवं अन्य गतिविधियों के लिए निर्धारित घंटों का विवरण

जनसंचार स्नातक पाठ्यक्रम हेतु पाठ्यचर्या संरचना

पहला सेमेस्टर	दूसरा सेमेस्टर	तीसरा सेमेस्टर	चौथा सेमेस्टर	पांचवा सेमेस्टर	छठा सेमेस्टर
कंप्यूटर दक्षता **(अतिरिक्त अनिवार्य-1)** 04 क्रेडिट	पर्यावरण **(अनिवार्य-1)** 04 क्रेडिट	भारतीय संविधान एवं मानवाधिकार **(अनिवार्य-2)** 04 क्रेडिट	भाषा अभिप्रेरण पाठ्यचर्या विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध करायी गयी भाषाओं (हिंदी के अतिरिक्त) में से कोई एक भाषा **(अतिरिक्त अनिवार्य-2)** 04 क्रेडिट	भारतीय संस्कृति **(अनिवार्य-3)** 02 क्रेडिट	भारतीय चिंतक **(अनिवार्य-4)** 02 क्रेडिट
BAJMC/CC/01 संचार की अवधारणा एवं प्रक्रिया (04 क्रेडिट)	BAJMC/WH/06 विश्व पत्रकारिता का इतिहास (04 क्रेडिट)	BAJMC/LJ/11 भाषाई पत्रकारिता (04 क्रेडिट)	BAJMC/MR/16 मीडिया शोध (04 क्रेडिट)	BAJMC/RE/21 शोध की नैतिकता एवं अभ्यास (04 क्रेडिट)	BAJMC/PW/26 परियोजना कार्य एवं मौखिकी (04 क्रेडिट)
BAJMC/IH/02 भारतीय पत्रकारिता का इतिहास (04 क्रेडिट)	BAJMC/PW/07 प्रिंट मीडिया लेखन (04 क्रेडिट)	BAJMC/PJ/12 फ़ोटो पत्रकारिता (04 क्रेडिट)	BAJMC/ML/17 मीडिया विधि (04 क्रेडिट)	BAJMC/II/22 आंतरिक व्यवहारिक प्रशिक्षण/ लघु परियोजना (04 क्रेडिट)	BAJMC/PP/27 प्रिंट मीडिया प्रोडक्शन (प्रायोगिक) (04 क्रेडिट)
BAJMC/MR/03 जनमाध्यमों के लिए रिपोर्टिंग (04 क्रेडिट)	BAJMC/EW/08 इलेक्ट्रॉनिक मीडिया लेखन (04 क्रेडिट)	BAJMC/PR/13 जनसम्पर्क (04 क्रेडिट)	BAJMC/RJ/18 रेडियो पत्रकारिता (04 क्रेडिट)	BAJMC/TJ/23 टेलिविज़न पत्रकारिता (04 क्रेडिट)	BAJMC/TP/28 टेलिविज़न प्रोडक्शन (प्रायोगिक) (04 क्रेडिट)
BAJMC/DJ/04 डिजिटल पत्रकारिता (04 क्रेडिट)	BAJMC/PD/09 प्रिंट मीडिया पृष्ठ सज्जा तकनीक (04 क्रेडिट)	BAJMC/PD/14 सहभागी विकास संचार (04 क्रेडिट)	BAJMC/AD/19 विज्ञापन (04 क्रेडिट)	BAJMC/CI/24 समसामयिक मुद्दों पर लेखन (04 क्रेडिट)	BAJMC/DP/29 डिजिटल मीडिया प्रोडक्शन (प्रायोगिक) (04 क्रेडिट)
BAJMC/CS/05 संचार कौशल (02 क्रेडिट)	BAJMC/MT/10 मीडिया अनुवाद (प्रायोगिक) (02 क्रेडिट)	BAJMC/ME/15 प्रिंट मीडिया संपादन (02 क्रेडिट)	BAJMC/MM/20 मीडिया प्रबंधन (02 क्रेडिट)	BAJMC/FV/25 क्षेत्र भ्रमण (02 क्रेडिट)	BAJMC/RP/30 रेडियो प्रोडक्शन (प्रायोगिक) (02 क्रेडिट)
18 क्रेडिट	**22 क्रेडिट**	**22 क्रेडिट**	**18 क्रेडिट**	**20 क्रेडिट**	**20 क्रेडिट**
कुल क्रेडिट : 120 क्रेडिट+ 08 अतिरिक्त क्रेडिट					

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्याका नाम: संचार की अवधारणा एवं प्रक्रिया

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	**60**

2. पाठ्यचर्या का कोड:BAJMC/CC/01

3. क्रेडिट: 4

4. सेमेस्टर: प्रथम

5. पाठ्यचर्या विवरण:

- संचार एवं जनसंचार के सिद्धांतों एवं प्रतिरूपों से परिचय कराना।
- संचार की अवधारणा, प्रक्रिया और सिद्धांतो से अवगत कराना।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

- संचार की समझ विकसित करना
- संचार कौशल का व्यवहारिक प्रशिक्षण देना
- संचार के सिद्धांतों एवं प्रारूप का व्यवहारिक जीवन में प्रयोग करना
- समय के अनुसार संचार व्यवहार में परिवर्तन लाना

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल /संवाद (यदि अपेक्षित हैं)	प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**संचार की अवधारणाएवं प्रक्रिया** 1.1 संचार का अर्थ एवं परिभाषा 1.2 संचार का महत्व एवं कार्य 1.3 संचार के तत्व 1.4 संचार के 7 सी 1.5 संचार के चरण एवं मार्ग	**13**	**2**		**15**	**25%**
मॉड्यूल-2	**संचार के प्रकार** 2.1 अंतः व्यक्तिक संचार 2.2 अंतर व्यक्तिक संचार 2.3 समूह संचार	**13**	**2**		**15**	**25%**

	2.4 जनसंचार 2.5 भारतीय संचार सिद्धांत					
मॉड्यूल-3	**संचार के माध्यम** 1 मुद्रित माध्यम 3.2 श्रव्य माध्यम 3.3 दृश्य-श्राव्य माध्यम 3.4 नवसंचार माध्यम 3.5 परम्परागत माध्यम	**13**	**2**		**15**	**25%**
मॉड्यूल-4	**संचार एवं जनसंचार के सिद्धांत एवं प्रतिरूप** 4.1 अरस्तू का संचार प्रतिरूप 4.2 लासवेल का संचार प्रतिरूप 4.3 एमएमसीआर प्रतिरूप 4.4 एजेंडा सेटिंग सिद्धांत 4.5 उपयोगिता एवं परितुष्टि का सिद्धांत 4.6 कल्टिवेशन सिद्धांत	**13**	**2**		**15**	**25%**
योग		**52**	**8**		**60**	**100%**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	संवादात्मक एवं विद्यार्थी केंद्रित शिक्षण
विधियाँ	व्याख्यानविधि, वस्तुविधि, दृष्टांतविधि
तकनीक	निगमनात्मक तथा आगमनात्मक
उपादान	ऑडियो वीडियो, मॉडेल एवं रेखा चित्र

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8	लक्ष्य 9	लक्ष्य 10	लक्ष्य 11	लक्ष्य 12	लक्ष्य 13	लक्ष्य 14
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	**X**	-	-	-	-	**X**	-	-	-	-	**-**	**X**	**-**	-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (**80**%)			**मौखिकी** (**20**%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	• हींगड़, ए. (2012). संचार के सिद्धांत. जयपुर: राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी. • सिंह, ओ. (2018). संचार के मूल सिद्धांत. दिल्ली: लोक भारती प्रकाशन. • राजगढ़िया, वी. (2008). जनसंचार सिद्धांत एवं अनुप्रयोग नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन. • सिंह, एस. (1992). सम्प्रेषण प्रतिरूप एवं सिद्धांत. फ़ैज़ाबाद: भारतीय पब्लिशर्स
3	ई-संसाधन	• http://www.uprtou.ac.in/other_pdf/PGDEM&FP-01.pdf • http://assets.vmou.ac.in/DMC01.pdf • https://swayam.gov.in/ • https://epgp.inflibnet.ac.in/
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. **पाठ्यचर्या का नाम: भारतीय पत्रकारिता का इतिहास**

2. **पाठ्यचर्या का कोड:BAJMC/IH/02**

3. **क्रेडिट: 4**

4. **सेमेस्टर:प्रथम**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

5. पाठ्यचर्या विवरण:

- भारत के मुद्रण कला के इतिहास से परिचय कराया जाएगा। जिसमें मुद्रण कला, समाचार-पत्र, पत्रिका, काग़ज़ एवं संवाद समितियों के इतिहास के बारे में अध्ययन किया जाएगा।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

- इस पाठ्यचर्या में विद्यार्थी भारतीय पत्रकारिता के इतिहास से भलीभांति परिचित हो सकेंगे।
- इस पाठ्यचर्या के माध्यम से भारत में जनमाध्यमों की व्यवस्था से अवगत हो सकेंगे।
- इस पाठ्यचर्या से विद्यार्थी को मुद्रण कला के इतिहास को जानने में मदद मिलेगी।
- इस पाठ्यचर्या से विद्यार्थी पत्रकारिता के द्वारा जन चेतना लाने वाले समाज सुधारकों से परिचित होगी।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद (यदि अपेक्षित हैं)	प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	1.1 भारत में पत्रकारिता का प्रारंभ 1.2 विलियम बोल्ट एवं जेम्स अगस्टस हिकी के समाचार पत्र- 1.3 भारतीय भाषाओं की	**13**	**2**		**15**	**25%**

	पत्रकारिता 1.4 हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास					
मॉड्यूल-2	2.1 स्वतंत्रता आंदोलन में प्रेस की भूमिका 2.2 पत्रकार के रूप में स्वतंत्रता सेनानी 2.3 स्वतंत्रता पूर्व के मुख्य समाचार पत्र 2.4 स्वतंत्रता उपरांत भारतीय पत्रकारिता का इतिहास	**13**	**2**		**15**	**25%**
मॉड्यूल-3	3.1 संवाद कौमुदी, सरस्वती, आज 3.2 समाचार चंद्रिका, कर्मवीर, केसरी 3.3 मिरात –उल अखबार, हिंदी प्रदीप, हिन्दुस्थान 3.4 दैनिक विश्विमत्र, उचित वक्ता, मतवाला	**13**	**2**		**15**	**25%**
मॉड्यूल-4	a. पत्रकारिता के द्वारा जातीय चेतना और समाज सुधार b. महात्मा गांधी की पत्रकारिता c. बाबासाहेब आंबेडकर की पत्रकारिता d. लोकमान्य तिलक की पत्रकारिता	**13**	**2**		**15**	**25%**
योग		**52**	**8**		**60**	**100%**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	संवादात्मक एवं विद्यार्थी केंद्रित शिक्षण
विधियाँ	व्याख्यानविधि, वस्तुविधि, दृष्टांतविधि
तकनीक	निगमनात्मक तथा आगमनात्मक
उपादान	ऑडियो वीडियो, मॉडेल एवं रेखा चित्र

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8	लक्ष्य 9	लक्ष्य 10	लक्ष्य 11	लक्ष्य 12	लक्ष्य 13	लक्ष्य 14
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	**X**	**X**	**X**	-	-	-	**X**	-	-	-	-	-	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	

पूर्णांक	25	75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	• बर्नहार्ड, जिम (2007). हाउ न्यूजपेपर्स गेट देयर नेम्स. कोलंबियाः यूनिवर्सिटी आफ मिसौरी प्रेस. • एंड्रिज, अलेक्जेंडर (डि.सं. 2011). द हिस्टी आफ ब्रिटिश जर्नलिज्म वोल्यूम-1. आर. बेंटली. • दुबे, प्रो. श्यामाचरण (1986). संचार और विकास. नई दिल्लीः प्रकाशन विभाग, सूचना व प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार • श्रीधर, विजय दत्त (2016). भारतीय पत्रकारिता कोश .नई दिल्लीः वाणी प्रकाशन. • जे.नटराजन - भारतीय पत्रकारिता का इतिहास. दिल्लीः प्रकाशन विभाग. सूचना व प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार • मिश्र, कृष्ण बिहारी. हिंदी पत्रकारिताः जातीय चेतना और खड़ी बोली साहित्य की निर्माण भूमि. दिल्लीः भारतीय ज्ञानपीठ • अनुजामंगला .डा ,. भारतीय पत्रकारिताः नींव के पत्थर. भोपालः मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी

		• मिश्र, अच्युतानंद (सं.) हिंदी के प्रमुख समाचार पत्र और पत्रिकाएं (दो खंड). भोपालः माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय • इंडिया कनेक्टेडः न्यू मीडिया के प्रभावों की समीक्षासुनेत्रा सेन नारायण और , ,(.सं)शालिनी नारायण दिल्लीः सेज भाषा • Joglekar, K.G (2005) Press Freedom: The Indian Story, Publication Division, Ministry of Information and broadcasting, Govt of India • Jeffrey, Robin (2000) *Indians Newspaper Revolution: Capitalism, Politics and the Indian- Language Press 1977-99*, New Delhi: Oxford University Press • Ninan, Sevanti (2007) *Headlines from the Heartland: Reinventing the Hindi Public Sphere*, New Delhi: Thousand Oaks, Calif.: Sage Publications.
3	ई-संसाधन	• **https://swayam.gov.in/**
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्याका नाम:- जनमाध्यमों के लिए रिपोर्टिंग

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	36
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	08
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	32/2
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

2. पाठ्यचर्या का कोड:-BAJMC/MR/03

3.क्रेडिट:- 04

4. सेमेस्टर:- प्रथम

5. पाठ्यचर्या विवरण:-
(Description of Course)

प्रस्तुत पाठ्यचर्या में समाचार की अवधारणा एवं संरचना,समाचार रिपोर्टिंग की अवधारणा एवं सिद्धांत,रिपोर्टिंग के विविध क्षेत्र,विविध मीडिया के लिए समाचार रिपोर्टिंगआदि प्रमुख बिंदु शामिल हैं।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: -
(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

1. समाचार रिपोर्टिंग एवं लेखन कौशल विकसित करना।
2. प्रिंट मीडिया, रेडियो तथा टीवी मीडिया में संवाददाता के रूप में कार्य करने हेतु तैयार करना।
3. मीडिया रिपोर्टिंग तकनीक तथा संसाधनों का प्रयोग करने की कुशलता निर्माण करना।
4. समाचार एजेंसी में कार्य करने हेतु तैयार करना।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल/ संवाद (यदि अपेक्षित हैं)	प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		

मॉड्यूल-1	**समाचार की अवधारणा एवं संरचना** - समाचार का अर्थ,एवं परिभाषा - समाचार के तत्व - समाचार के मूल्य -समाचार के स्रोत -समाचार की संरचना - समाचार के प्रकार	10	02	**6/2**	15	25
मॉड्यूल-2	**समाचार रिपोर्टिंग की अवधारणा एवं सिद्धांत** - समाचार रिपोर्टिंग की परिभाषा - समाचार रिपोर्टिंग के प्रमुख सिद्धांत - समाचार रिपोर्टिंग की तकनीक एवं संसाधन - समाचार रिपोर्टर की विशेषताएं,कार्य, दायित्व,चुनौतियाँ	**08**	02	**10/2**	15	25
मॉड्यूल-3	**रेडियो एवं टीवी मीडिया रिपोर्टिंग तकनीक** -रेडियो समाचार की संरचना - टीवी समाचार की संरचना - रेडियो रिपोर्टिंग तकनीक एवं उपकरण -टीवी रिपोर्टिंग की तकनीक एवं उपकरण	**08**	02	**10/2**	15	25
मॉड्यूल-4	**रिपोर्टिंग के विविध क्षेत्र** - संसदीय रिपोर्टिंग -राजनीतिक रिपोर्टिंग - अपराध रिपोर्टिंग	10	02	**06/2**	15	25

	- आर्थिक रिपोर्टिंग - खेल रिपोर्टिंग - फिल्म रिपोर्टिंग					
योग		**36**	**08**	**32/2**	**60**	**100%**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विवेचनात्मक, अनुमानात्मक, अंतरानुशासनिक,समेकित, चिंतनशील, निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान परिचर्चा,प्रायोगिकी,क्षेत्र कार्य,पैनल चर्चा, विचार –विमर्श, सामूहिक चर्चा, प्रस्तुतीकरण, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	सहयोगी अधिगम, विभेदित अनुदेशन, कम्प्युटर सहायित अनुदेशन
उपादान	लैपटॉप, स्मार्टबोर्ड, प्रोजेक्टर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8	लक्ष्य 9	लक्ष्य 10	लक्ष्य 11	लक्ष्य 12	लक्ष्य 13	लक्ष्य 14
1	X				X	X	X	X						
2	X				X	X	X	X					X	X
3					X	X	X	X	X					
4							X	X					X	X

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	• समाचार लेखन आर्य .के.पी :, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली • समाचार फीचर लेखन एवं संपादन कला हरिमोहन :, तक्षशिला पब्लिकेशन, नई दिल्ली • भारतीय इलेक्ट्रॉनिक मीडिया,लेखक-डॉ. देवव्रत सिंह, प्रकाशक- प्रभात प्रकाशन, दिल्ली। • खोजी पत्रकारिता – एच भीष्मपल .प्रकाशन विभाग - 1988

		• ब्रेकिंग न्यूज- पूण्य प्रसून वाजपेयी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2000 • साइबर पत्रकारिता-विजय कुल श्रेष्ठ, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, 2012 • क्लास रिपोर्टर- जयप्रकाश त्रिपाठी, अमन प्रकाशन कानपुर, 2014 • टेलीविजन समाचार लेखन और वाचन,लेखक-एचएच मुस्तफा जैदी,प्रकाशक- सुलभ प्रकाशन, लखनऊ। • एंकर रिपोर्टर, लेखक- पुण्य प्रसून बाजपेई प्रकाशक- राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। • Reporting for Newspapers, Magazines, Radio & T.V.: B.N. Ahuja & S.S. Chhabra • News Reporting & Editing: K.M. Shrivastava, Sterling Publishers, New Delhi • Newswriting and Reporting: James M. Neal & Suzanne S. Brown, Blackwell, reprinted in India by Surjeet, .2007 • News Reporting and Writing: Alfred Lawrence Lorenz & John Vivian, Pearson Education, .2006 • "News Reporting and Writing". Mencher, Melvin,New York. McGrawHill Pub. .2003
3	ई-संसाधन	**www.swayam.gov.in**
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. **पाठ्यचर्याका नाम: डिजिटल पत्रकारिता**

2. **पाठ्यचर्या का कोड:**BAJMC/DJ/04

3. **क्रेडिट: 04**

4. **सेमेस्टर: प्रथम**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**52**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:इस पाठ्यचर्या द्वारा डिजिटल मीडिया का इतिहास, विस्तार, लेखन तथा सम्पादन तकनीक का अध्ययन करेंगे
(Description of Course)

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

- नवजनमाध्यमों की कार्यशैली से समकालीन संदर्भ में तकनीकी दक्ष विद्यार्थी तैयार होंगे।
- तकनीकी एवं साफ्टवेयर पर कार्य प्रशिक्षण से आत्मविश्वास से परिपूर्ण मीडिया कर्मी का निर्माण।
- मीडिया जगत में संभावी रोजगार के लिए कुशल पत्रकारिता का संचालन।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(**Contents** of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला** (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**सूचना प्रौद्योगिकी : उद्भव, स्वरूप एवं विकास** • इंटरनेट का उद्भव एवं विकास • न्यू मीडिया की अवधारणा	13 घंटे	2 घंटे	-	15 घंटे	25

	• सोशल मीडिया की अवधारणा • न्यू मीडिया व सोशल मीडिया की विकास यात्रा					
मॉड्यूल-2	**डिजिटल मीडिया के विविध आयाम** • मीडिया कन्वर्जेंस • वर्चुअल रियलिटी • डिजिटल डिवाइड • डिजिटल डेमोक्रेसी	13 घंटे	2 घंटे	-	15 घंटे	25
मॉड्यूल-3	**डिजिटल मीडिया का उपयोग एवं प्रभाव** • डिजिटल मीडिया व यूथ एक्टिविज्म • डिजिटल मीडिया व अरब स्प्रिंग • डिजिटल मीडिया व ऑक्यूपाई वाल स्ट्रीट • डिजिटल मीडिया व भारत में भ्रष्टाचार के विरुद्ध आन्दोलन	**13**घंटे	2 घंटे		15 घंटे	25
मॉड्यूल-4	**डिजिटल मीडिया व बाजार** • सोशल मीडिया मार्केटिंग • वर्ड ऑफ़ माउथ से वर्ल्ड ऑफ़ माउथ • इंटरैक्टिव मार्केटिंग • यूजर जेनेरेटेड कंटेंट से प्रोफेशनली जेनेरेटेड कंटेंट तक	**13** घंटे	2 घंटे		15 घंटे	25
योग		**52**	**08**	**--**	**60**	**100%**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा अध्यापन प्रायोगिक मूडल्स गूगल मीट
विधियाँ	व्याख्यान ई-व्याख्यान परिचर्चा सामूहिक परिचर्चा प्रस्तुतिकरण संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण
तकनीक	पावर पोईंट प्रेज़ेंटेशन दृश्य- श्रव्य माध्यम वेब पेज ब्लॉग सोशल मीडिया यू ट्यूब मूडल्स
उपादान	लैप टॉप मोबाइल मूडल्स

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8	लक्ष्य 9	लक्ष्य 10	लक्ष्य 11	लक्ष्य 12	लक्ष्य 13	लक्ष्य 14
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	**X**	-	-	-	**X**	**X**	-	**X**	-	-	**-**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	• स्वर्ण सुमन (2014). *सोशल मीडिया.* हार्परकौलिंस पब्लिशर्स इंडिया • आरती सिंह & विभा ठाकुर (2018). *सोशल मीडिया में साहित्य का बदलता स्वरूप.* स्वराज प्रकाशन • विजय कुलश्रेष्ठम. *साइबर पत्रकारिता.*जयपुर,राजस्थान: राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, • JPMishra (2014). *An Introduction to Cyber Law.*Allahabad,UP: Central Law Publication • Steve Jones (2003). *Encyclopedia of New Media.* New Delhi: Sage Publications.
3	ई-संसाधन	www.swayam.gov.in https://www.researchgate.net/publication/48382564_Online_Journalism_in_the_Information_Age https://shodhganga.inflibnet.ac.in/bitstream/10603/95125/4/chapter%201.pdf http://www.philol.msu.ru/~discours/images/stories/speckurs/New_media.pdf http://people.stern.nyu.edu/aghose/msi_4.pdf https://2012books.lardbucket.org/pdfs/a-primer-on-communication-studies/s16-new-media-and-communication.pdf
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. **पाठ्यचर्याका नाम: संचार कौशल**

2. **पाठ्यचर्या का कोड:-BAJMC/CS/05**

3. **क्रेडिट:- 02**

4. **सेमेस्टर:- प्रथम**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	04
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	12/2
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	**30**

5. पाठ्यचर्या विवरण:-

(Description of Course)

प्रस्तुत पाठ्यचर्या में संचार का परिचय एवं प्रभावी संचार की आवश्यकता, उत्कृष्ट अभिव्यक्ति हेतु लेखन, सार्वजनिक व्याख्यान कौशल, संचार: आचरण एवं शिष्टाचार तकनीकआदि प्रमुख बिंदु शामिल हैं।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: -

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

1) प्रभावी संचार की क्षमता विकसित करना।
2) तकनीकी आधारित संचार में सक्षम बनाना।
3) संचार हेतु उत्कृष्ट अभिव्यक्ति के लिए लेखन कौशल विकसित करना।
4) संचार हेतु भाषा कौशल विकसित करना।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल/ संवाद (यदि अपेक्षित हैं)	प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		

मॉड्यूल-1	-संचार का परिचय एवं प्रभावी संचार की आवश्यकता - संचार की भाषा -भाषिक संचार - अभाषीक संचार - संचार हेतु लेखन कौशल - उत्कृष्ट अभिव्यक्ति हेतु लेखन	10	02	06/2	15	**50%**
मॉड्यूल-2	-मौखिक प्रस्तुति -सार्वजनिक व्याख्यान कौशल -भाषा कौशल - पठन कौशल -श्रवण कौशल - भाषा, पठन, श्रवण प्रक्रिया के अवरोध -तकनीकी आधारित संचार -संचार: आचरण एवं शिष्टाचार तकनीक	10	02	06/2	15	**50%**
योग		**20**	**04**	**12/2**	**30**	**100%**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विवेचनात्मक, निगमनात्मक/अनुमानात्मक, अंतरानुशासनिक,समेकित, चिंतनशील, निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान परिचर्चा,प्रायोगिक,पैनल चर्चा, विचार –विमर्श, सामूहिक चर्चा, प्रस्तुतीकरण, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	सहयोगी अधिगम, विभेदित अनुदेशन, कम्प्युटर सहायित अनुदेशन
उपादान	लैपटॉप, स्मार्टबोर्ड, प्रोजेक्टर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8	लक्ष्य 9	लक्ष्य 10	लक्ष्य 11	लक्ष्य 12	लक्ष्य 13	लक्ष्य 14
1						X								
2						X			X					
3		X				X								
4		X				X								

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	

निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	1.Rayudu C.S., Communication, Himalaya Publishing House. 2. Effective communication skills by John Neilson. 3. Handbook of communication and social interaction skills by John O. Greene, Brant Burleson. 4. Improve your communication skills by Alan Barker, Kogan Page Publisher. 5. Aggarwal Virbala, Gupta V.S., Handbook of Mass communication &Journalism , Concept publishing company
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

5. पाठ्यचर्या का नाम:विश्व पत्रकारिता का इतिहास

6. पाठ्यचर्या का कोड:BAJMC/WH/06

7. क्रेडिट: 4

8. सेमेस्टर:द्वितीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	**60**

5. पाठ्यचर्या विवरण:

- विश्व में मुद्रण के इतिहास से परिचय कराया जाएगा। जिसमें मुद्रण कला, समाचार-पत्र, पत्रिका, काग़ज़ एवं संवाद समितियों के इतिहास के बारे में अध्ययन किया जाएगा।
- विश्व में जन्माध्यमों के इतिहास से परिचय कराया जाएगा। जिसके अंतर्गत रेडीओ, टेलीविजन, केबल प्रसारण, फ़िल्म एवं सोशल मीडिया के इतिहास इतिहास के बारे में अध्ययन किया जाएगा।
- विश्व में किस प्रकार की जन्माध्यम व्यवस्था है इस परिचय दिया जाएगा।
- विश्व में सूचना का प्रवाह किस प्रकार होता है इसका अध्ययन किया जाएगा।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

- इस पाठ्यचर्या में विद्यार्थी विश्व पत्रकारिता के इतिहास से भलीभांति परिचित हो सकेंगे।
- इस पाठ्यचर्या के माध्यम से विश्व में जनमाध्यमों की व्यवस्था से अवगत हो सकेंगे।
- इस पाठ्यचर्या के माध्यम से विद्यार्थी विश्व के सूचना प्रवाह को भी समझ सकेंगे।
- इस पाठ्यचर्या से विद्यार्थी को मुद्रण कला के इतिहास को जानने में मदद मिलेगी।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद (यदि अपेक्षित हैं)	प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**विश्व में मुद्रण का इतिहास**	**13**	**2**		**15**	**25%**

	1.1 विश्व में मुद्रण कला का इतिहास 1.2 विश्व में समाचार पत्रों का इतिहास 1.3 विश्व में पत्रिकाओं का इतिहास 1.4 विश्व में कागज का इतिहास 1.5 विश्व में संवाद समितियों का इतिहास					
मॉड्यूल-2	**विश्व में जनमाध्यमों का इतिहास** 2.1 विश्व में रेडियो का इतिहास 2.2 विश्व में टेलीविजन का इतिहास 2.3 विश्व में केबल प्रसारण का इतिहास 2.4 विश्व में फिल्म का इतिहास 2.5 विश्व में सोशल मीडिया का इतिहास	**13**	**2**		**15**	**25%**
मॉड्यूल-3	**विश्व में जनमाध्यम व्यवस्था** 3.1 ब्रिटेन में जनमाध्यम व्यवस्था 3.2 अमेरिका में जनमाध्यम व्यवस्था 3.3 चीन में जनमाध्यम व्यवस्था 3.4 फ्रांस में जनमाध्यम व्यवस्था 3.5 सार्क देशों में जनमाध्यम व्यवस्था	**13**	**2**		**15**	**25%**
मॉड्यूल-4	**विश्व में सूचना प्रवाह** 4.1 विश्व में प्रेस परिषद का इतिहास 4.2 विश्व में विज्ञापन का इतिहास 4.3 विश्व में सेंसर प्रक्रिया का इतिहास 4.4 न्यूज पूल	**13**	**2**		**15**	**25%**

	4.5 मैकब्राइड रिपोर्ट का अध्ययन					
योग		**52**	**8**		**60**	**100%**

टिप्पणी:

3. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
4. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	संवादात्मक एवं विद्यार्थी केंद्रित शिक्षण
विधियाँ	व्याख्यानविधि, वस्तुविधि, दृष्टांतविधि
तकनीक	निगमनात्मक तथा आगमनात्मक
उपादान	ऑडियो वीडियो, मॉडेल एवं रेखा चित्र

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8	लक्ष्य 9	लक्ष्य 10	लक्ष्य 11	लक्ष्य 12	लक्ष्य 13	लक्ष्य 14
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	-	-	X	-	X	-	-	-	-	-	-	-	X	-

टिप्पणी:

3. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	• Darnton, Robert and Daniel Roche, eds. *Revolution in Print: the Press in France, 1775–1800* (1989) • Blanchard, Margaret A., ed. *History of the Mass Media in the United States, An Encyclopedia*. (1998) • Craig, Douglas B. *Fireside Politics: Radio and Political Culture in the United States, 1920–1940* (2005) • DiGirolamo, Vincent, *Crying the News: A History of America's Newsboys* (2019) • Emery, Michael, Edwin Emery, and Nancy L. Roberts. *The Press and America: An Interpretive History of the Mass Media* 9th ed. (1999.), standard textbook; best place to start. • Hampton, Mark, and Martin Conboy. "Journalism history—a debate" *Journalism Studies* (2014) 15#2 pp 154–171. Hampton argues that journalism history should be

		integrated with cultural, political, and economic changes. Conboy reaffirms the need for disentangling journalism history more carefully from media history.
3	ई-संसाधन	• https://www.openschoolofjournalism.com/resources/about-journalism/history-of-journalism • https://www.universalclass.com/articles/writing/journalism-a-brief-history.htm • https://www.britannica.com/topic/journalism • • https://epgp.inflibnet.ac.in/ • https://swayam.gov.in/
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. **पाठ्यचर्या का नाम: प्रिंट मीडिया लेखन**

2. **पाठ्यचर्या काकोड:_BAJMC/PW/07**

3. **क्रेडिट: 04**

4. **सेमेस्टर: द्वितीय सेमेस्टर**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**40**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	04
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	**24/2**
कौशल विकास गतिविधियाँ	**04**
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण: (Description of Course)

इस पाठ्यचर्या के माध्यम से विद्यार्थी प्रिंट मीडिया के क्षेत्र की विभिन्न नई-पुरानी तकनीक के साथ-साथ प्रिंट मीडिया के क्षेत्र में कार्य करने हेतु कौशल अर्जित कर सकेगा।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

- रिपोर्टर, संपादक, फिल्म पत्रकार के रूप मेंकार्य करने की क्षमता का विकास।
- समाचारपत्र संपादन करने की क्षमता का विकास।
- समाचार लेखन की क्षमता का विकास।
- विशेषीकृत पत्रकारिता की क्षमता का निर्माण।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल/ संवाद (यदि अपेक्षित हैं)	प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction / Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**प्रिंट मीडियालेखनअवधारणा** • समाचार: अवधारणाएवं तत्व • समाचार के स्रोत -समाचारसंकलन एवं प्रकार • समाचारलेखन -5 डब्ल्यू 1 एच का सिद्धान्त	10	02	06/2	15	25

	• प्रिंट मीडिया लेखन की विशेषताएं -प्रिंट मीडिया लेखनके दायित्व एवं चुनौतियां					
मॉड्यूल-2	**प्रिंट मीडिया लेखन के विविध आयाम** • संपादकीय लेखन • अग्रलेख लेखन • लेखन के विविध क्षेत्र: साक्षात्कार लेखन,स्तम्भ लेखन,फीचर लेखन • समीक्षा लेखन	10	02	06/2	15	25
मॉड्यूल-3	**प्रिंट मीडिया संपादन तकनीक** • संपादन: अवधारणा -संपादन की आवश्यकता एवं महत्व • संपादन: दायित्व एवं सावधानियां • समाचारपत्र संपादन • संपादन साफ्टवेयर -क्वार्क एक्सप्रेस, -एडोब पेजमेकर	10	02	06/2	15	25
मॉड्यूल-4	**रिपोर्टिंग के विविध क्षेत्र** • राजनैतिक एवं संसदीय रिपोर्टिंग • शिक्षा एवं अपराध रिपोर्टिंग • खेल एवं फिल्म रिपोर्टिंग, • विकासपरक एवं आर्थिक रिपोर्टिंग	10	02	06/2	15	25
योग		**40**	**08**	**24/2**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विवेचनात्मक, निगमनात्मक/अनुमानात्मक, अंतरानुशासनिक,समेकित, चिंतनशील, निर्माणवादी, कक्षा अध्यापन, प्रायोगिक, मूडल्स, गूगल मीट।
विधियाँ	व्याख्यान परिचर्चा, पैनल चर्चा, विचार –विमर्श, सामूहिक चर्चा, प्रस्तुतीकरण, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	सहयोगी अधिगम, विभेदित अनुदेशन, कम्प्युटर सहायित अनुदेशन,पावर,पोईंट प्रेज़ेंटेशन,दृश्य- श्रव्य माध्यम ,वेब पेज ,ब्लॉग ,सोशल

	मीडिया ,यू ट्यूब ,मूडल्स।
उपादान	लैपटॉप, स्मार्टबोर्ड, प्रोजेक्टर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8	लक्ष्य 9	लक्ष्य 10	लक्ष्य 11	लक्ष्य 12	लक्ष्य 13	लक्ष्य 14
	X		X			X	X		X				X	X

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	

निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	• कुमार, केवल जे. (2017). *मास कम्युनिकेशन इन इंडिया* (हिंदी एवं अंग्रेजी संस्करण). मुंबई: जायको पब्लिकेशन. • Kamath, M V. (2002). *Professional journalisam.*New Delhi: Vikas • भट्ट, राजेंद्र शंकर. (1990). *पत्र, पत्रकार और पत्रकारिता.* नई दिल्ली: प्रकाशन विभाग. •
3	ई-संसाधन	**https://swayam.gov.in/** **https://epgp.inflibnet.ac.in/** **http://hindivishwa.org/contentdtl.aspx?category=11** **https://www.openschoolofjournalism.com/**
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. **पाठ्यचर्या का नाम: इलेक्ट्रॉनिक मीडिया लेखन**
2. **पाठ्यचर्या का कोड:BAJMC/EW/08**
3. **क्रेडिट: 04**
4. **सेमेस्टर: द्वितीय सेमेस्टर**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**40**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	04
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	**24/2**
कौशल विकास गतिविधियाँ	**04**
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण: इस पाठ्यचर्या के माध्यम से विद्यार्थी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया रेडियो,टेलीविज़न**,** वेब के क्षेत्र से संबन्धित विभिन्न प्रकार के लेखन कार्य को समझने के साथ-साथ लेखन से संबन्धित निर्माण कार्य कर सकने में भी सक्षम होगा। **(**Description of Course)

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

- इलेक्ट्रॉनिकमीडिया कार्यक्रमों का आवश्यकता के अनुरूप विकसित करने में सक्षम।
- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का निर्माणएवं संपादन करने में सक्षम।
- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का प्रसारण करने की क्षमता का विकास।
- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया चैनलों में एंकर/रिपोर्टर के रूप में कार्य करने की क्षमता।
- समाचार प्रस्तुतिकारण की कार्यक्षमता का विकास।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल/ संवाद (यदि अपेक्षित हैं)	प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction / Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**इलेक्ट्रॉनिक मीडिया लेखन** • इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से आशय • इलेक्ट्रॉनिक मीडियाका इतिहास • भारत में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की	10	02	06/2	15	25

	स्थिति • इलेक्ट्रॉनिक मीडियाका क्षेत्र- रेडियो, टेलीविज़न, वेब					
मॉड्यूल-2	**रेडियो लेखन** • रेडियो समाचारों की भाषा • रेडियो समाचार लेखन • रेडियोके विविध कार्यक्रम • रेडियो कार्यक्रमों के लिए लेखन	10	02	06/2	15	25
मॉड्यूल-3	**टेलीविज़न लेखन** • टेलीविज़न समाचारों की भाषा • टेलीविज़न समाचार लेखन • टेलीविज़न के विविध कार्यक्रम • टेलीविज़न कार्यक्रमों के लिए लेखन	10	02	06/2	15	25
मॉड्यूल-4	**वेब लेखन** • वेब समाचारों की भाषा • वेब समाचार लेखन की शैली • वेब समाचार लेखन की विशेषताएं • वेब समाचार लेखन की सीमाएं	10	02	06/2	15	25
योग		**40**	**08**	**12**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विवेचनात्मक, निगमनात्मक/अनुमानात्मक, अंतरानुशासनिक,समेकित, चिंतनशील, निर्माणवादी, कक्षा अध्यापन, प्रायोगिक, मूडल्स, गूगल मीट।
विधियाँ	व्याख्यान परिचर्चा, पैनल चर्चा, विचार –विमर्श, सामूहिक चर्चा, प्रस्तुतीकरण, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	सहयोगी अधिगम, विभेदित अनुदेशन, कम्प्युटर सहायित अनुदेशन,पावर,पोईंट प्रेज़ेंटेशन,दृश्य- श्रव्य माध्यम ,वेब पेज ,ब्लॉग ,सोशल मीडिया ,यू ट्यूब,मूडल्स।
उपादान	लैपटॉप, स्मार्टबोर्ड, प्रोजेक्टर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8	लक्ष्य 9	लक्ष्य 10	लक्ष्य 11	लक्ष्य 12	लक्ष्य 13	लक्ष्य 14
	X		X			X		X	X				X	X

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (**80**%)			**मौखिकी** (**20**%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	• कुमार, केवल जे. (2017). *मास कम्युनिकेशन इन इंडिया* (हिंदी एवं अंग्रेजी संस्करण). मुंबई: जायको पब्लिकेशन. • जैदी, एच एच मुस्तफा. (2001). *टेलीविज़न समाचार लेखन और वाचन.* लखनऊ: सुलभ प्रकाशन. • पचौरी, सुधीश. (2000). *दूरदर्शन: विकास से बाज़ार तक* (द्वितीय संस्करण).नई दिल्ली: प्रवीण प्रकाशन. • Kamath, M V. (2002). *Professional journalisam.*New Delhi: Vikas • बाजपेई, पुण्य प्रसून. (2006). *एंकर रिपोर्टर.* नई दिल्ली: राजकमल प्रकाशन. • सिंह, डॉ. देवव्रत. (2007). *भारतीय इलेक्ट्रॉनिक मीडिया.* दिल्ली: प्रभात प्रकाशन. • कठेरिया, डॉ. धरवेश और सिंह, डॉ. महावीर. (2015). *दूरदर्शन माध्यम और तकनीक*. दिल्ली: नेहा प्रकाशन. • वजाहत, असगर और रंजन, प्रभात. (2001). *टेलीविज़न लेखन.* दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड. • कठेरिया, डॉ. धरवेश और सिंह, डॉ. महावीर. (2013). *रेडियो माध्यम और तकनीक.* दिल्ली: शिल्पायन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स.

		• कुमार, सुरेश. (2004). *इन्टरनेट पत्रकारिता*. नई दिल्ली: तक्षशिला प्रकाशन. • कठेरिया, डॉ. धरवेश और सिंह, डॉ. महावीर. (2017). *रेडियो कार्यक्रम निर्माण एवं प्रस्तुति*. दिल्ली: नेहा प्रकाशन.
3	ई-संसाधन	**https://swayam.gov.in/** **https://epgp.inflibnet.ac.in/** **http://hindivishwa.org/contentdtl.aspx?category=11** **https://www.openschoolofjournalism.com/**
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: प्रिंट मीडिया: पृष्ठ सज्जा एवं तकनीक

2. पाठ्यचर्या का कोड: BAJMC/PD/09

3. क्रेडिट:- 04 **4. सेमेस्टर:- प्रथम**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	36
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	08
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	32/2
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:-
(Description of Course)

प्रस्तुत पाठ्यचर्या में पुष्ठ सज्जा का अर्थ, मूल तत्त्व, पुष्ठ सज्जा के सिद्धांत, डमी,समाचार व पत्रिका पृष्ठ सज्जा, पुष्ठ सज्जा – ले आउट हेतु सॉफ्टवेअर का प्रयोग आदि प्रमुख बिंदु शामिल हैं।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: -
(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

1) समाचार की प्रभावी प्रस्तुति की तकनीक को विकसित करना।
2) समाचार पत्र हेतु पुष्ठ सज्जा हेतु कुशल बनाना।
3) पत्रिका के पुष्ठ सज्जा हेतु कुशल बनाना।
4) पुष्ठ सज्जा – ले आउट हेतु सॉफ्टवेअर के प्रयोग में सक्षम बनाना।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		

मॉड्यूल-1	**पुष्ठ सज्जा की अवधारणा एवं मूल तत्त्व** - पुष्ठ सज्जा का अर्थ एवं परिभाषा - पृष्ठ सज्जा के मूल तत्त्व - पुष्ठ सज्जा के सिद्धांत - पुष्ठ सज्जा की परंपरागत पद्धति	10	02	06/2	15	**25%**
मॉड्यूल-2	**समाचार की पुष्ठ सज्जा एवं तकनीक** -समाचार पत्र की संरचना समाचार पत्र पुष्ठ सज्जा तकनीक एवं पुष्ठ संख्या -समाचार पत्र की डमी - मुख पृष्ठ सज्जा की विशेषता	08	02	10/2	15	**25%**
मॉड्यूल-3	**पत्रिका की पुष्ठ सज्जा एवं तकनीक** - पत्रिका की संरचना एवं पुष्ठ संख्या -रेखीय सज्जा - रंगत सज्जा -रूप सज्जा - अंतराल सज्जा - तान एवं पुष्ठ सज्जा	10	02	06/2	15	**25%**
मॉड्यूल-4	-क्कार्क एक्सप्रेस का परिचय -क्कार्क एक्सप्रेस में टेक्स्ट की एडिटिंग एवं फोर्मेटिंग - समाचार पत्र के लिए डमी तैयार करना -क्कार्क एक्सप्रेस में	08	02	10/2	15	**25%**

	पेज ले –आउट का निर्माण एवं सज्जा					
योग		**36**	**08**	**32/2**	**60**	**100%**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विवेचनात्मक, निगमनात्मक/अनुमानात्मक, अंतरानुशासनिक,समेकित, चिंतनशील, निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान परिचर्चा,प्रायोगिकी,पैनल चर्चा, विचार –विमर्श, सामूहिक चर्चा, प्रस्तुतीकरण, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	सहयोगी अधिगम, विभेदित अनुदेशन, कम्प्युटर सहायित अनुदेशन
उपादान	लैपटॉप, स्मार्टबोर्ड, प्रोजेक्टर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8	लक्ष्य 9	लक्ष्य 10	लक्ष्य 11	लक्ष्य 12	लक्ष्य 13	लक्ष्य 14
1							X		X					
2							X		X					X
3							X		X					
4									X					X

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	**30%**	50**%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	• मुद्रण एवं सज्जा– एवं विनोद शर्मा डॉ देवदत्त शर्मा - हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर • मुद्रण माध्यम एवं संपादन– डॉ विजय कुलश्रेष्ठ, पंचशील प्रकाशन, जयपुर • संपादन, पृष्ठ सज्जा और मुद्रण प्रो रमेश जैन -, मंगलदीप पब्लिकेशन, जयपुर • आधुनिक पत्रकारिता – डॉ अर्जुन तिवारी,विश्वविद्यालय

		प्रकाशन, नई दिल्ली +
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. **पाठ्यचर्या का नाम:मीडिया अनुवाद (प्रायोगिक)**
2. **पाठ्यचर्या का कोड :** BAJMC/MT/10
3. **क्रेडिट: 02**
4. **4. सेमेस्टर: द्वितीय**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	4
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	52/2
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	30

5. पाठ्यचर्या विवरण: इस पाठ्यचर्या द्वारा छात्र मीडिया के खबरों का अनुवाद करने का अभ्यास करेंगे।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

- **छात्र अंग्रेज़ी से हिंदी में अनुवाद कर सकेंगे**
- **छात्र हिंदी से अंग्रेज़ी में अनुवाद कर सकेंगे**
- **छात्र अन्य भारतीय भाषा जैसे मराठी या बंगाली में अनुवाद का अभ्यास करेंगे।**

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	• समाचार-पत्रों में प्रकाशित किसी हेडलाइन का अनुवाद • समाचार-पत्रों में प्रकाशित किसी 10 विज्ञापन स्लोगन का अनुवाद • समाचार-पत्रों में प्रकाशित किसी 5 विज्ञापनों का अनुवाद • समाचार-पत्रों में प्रकाशित किसी 5 राजनीतिक खबरों		2 घंटे	26/2 घंटे	15 घंटे	50%

	का अनुवाद • समाचार-पत्रों में प्रकाशित किसी 5 आर्थिक खबरों का अनुवाद					
मॉड्यूल-2	• समाचार-पत्रों में प्रकाशित किसी 5 खेल की खबरों का अनुवाद • समाचार-पत्रों में प्रकाशित किसी 5 सिनेमा की खबरों का अनुवाद • समाचार-पत्रों में प्रकाशित किसी 5 आलेखों का अनुवाद • समाचार-पत्रों में प्रकाशित किसी 5 फीचरों का अनुवाद • समाचार समितियों की खबरों का अनुवाद		2 घंटे	26/2 घंटे	15 घंटे	50%
योग		**--**	**04**	**52/2**	**60**	**100%**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	प्रायोगिक मूडल्स गूगल मीट
विधियाँ	ई-व्याख्यान परिचर्चा सामूहिक परिचर्चा प्रस्तुतिकरण संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण
तकनीक	पावर पोईंट प्रेज़ेंटेशन दृश्य- श्रव्य माध्यम वेब पेज ब्लॉग सोशल मीडिया यू ट्यूब मूडल्स
उपादान	लैप टॉप मोबाइल

	मूडल्स

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8	लक्ष्य 9	लक्ष्य 10	लक्ष्य 11	लक्ष्य 12	लक्ष्य 13	लक्ष्य 14
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	-	X	-	-	-	-	-	-	-	X	X

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. **पाठ्यचर्याका नाम: भाषाई पत्रकारिता**

2. **पाठ्यचर्याकाकोड:BAJMC/LJ/11**

3. **क्रेडिट: 4 4. सेमेस्टर:तृतीय**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	**60**

5. पाठ्यचर्या विवरण:

- भाषाई पत्रकारिता का उद्भव एवं विकास का अध्ययन।
- भाषाई पत्रकारिता के महत्व एवं चुनौतियों का अध्ययन।
- स्वतंत्रता संग्राम एवं स्वतंत्रता पश्चात भाषाई पत्रकारिता का अध्ययन।
- दक्षिण भारतीय भाषाओं की पत्रकारिता का अध्ययन।
- वर्नाकुलरसमाचारपत्रोंकीभाषागतविशेषताओंकाअध्ययन।प्रयुक्तहोनेवालेस्थानीयशब्दों, मुहावरों, लोकोक्तियोंकाअध्ययन

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

- विविध भाषाई समाचार पत्र के संदर्भ में ज्ञान अर्जित करना।
- क्षेत्रीय भाषाई समाचार पत्र में कार्य करने हेतु तैयार करना ।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल /संवाद (यदि अपेक्षित हैं)	प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**भाषाई पत्रकारिता काउद्भव** 1.1 भारतमेंभाषाई पत्रकारिता का उद्भव 1.2 भारतमें भाषाई पत्रकारिता का विकास 1.3 भारतमें भाषाई पत्रकारिता का महत्व 1.4 भारतमें भाषाई पत्रकारिता की चुनौतियाँ	**13**	**2**		**15**	**25%**

मॉड्यूल-2	**राष्ट्रवाद एवं भाषाई पत्रकारिता** 2.1 स्वतंत्रता संग्राम में भाषाई पत्रकारिता का महत्व 2.2 स्वतंत्योतरकालमेंभाषाईपत्र कारिता 2.3 समकालीन भाषाई पत्रकारिता 2.4 क्षेत्रीय विविधता बनामएकता	**13**	**2**		**15**	**25%**
मॉड्यूल-3	**दक्षिणभारतकीभाषाई पत्रकारिता** 3.1 मलयालम पत्रकारिता 3.2 तेलुगु पत्रकारिता 3.3 कन्नड़ पत्रकारिता 3.4 तमिल पत्रकारिता	**13**	**2**		**15**	**25%**
मॉड्यूल-4	**अन्यक्षेत्रोंकीभाषाईपत्रकारिता** 4.1 उर्दू पत्रकारिता 4.2 मराठी पत्रकारिता 4.3 बांग्ला पत्रकारिता 4.4 उड़िया पत्रकारिता	**13**	**2**		**15**	**25%**
योग		**52**	**8**		**60**	**100%**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	संवादात्मक एवं विद्यार्थी केंद्रित शिक्षण
विधियाँ	व्याख्यानविधि, वस्तुविधि, दृष्टांतविधि
तकनीक	निगमनात्मक तथा आगमनात्मक
उपादान	ऑडियो वीडियो, मॉडेल एवं रेखा चित्र

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8	लक्ष्य 9	लक्ष्य 10	लक्ष्य 11	लक्ष्य 12	लक्ष्य 13	लक्ष्य 14
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	**X**	**X**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	**X**	-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	• श्रीधर.नई दिल्लीः वाणी प्रकाशन.भारतीय पत्रकारिता कोश .(2016)विजय दत्त , • द्विवेदी, संजय : उर्दूविशेषांकमीडियाविमर्श • द्विवेदी, संजय (2019) मलयाललममीडियाविशेषांकमीडियाविमर्श • द्विवेदी, संजय (2019) तेलुगुमीडियाविशेषांकमीडियाविमर्श
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. **पाठ्यचर्याका नाम:फोटो पत्रकारिता**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	25
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	04
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	**54/2**
कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. **पाठ्यचर्या का कोड:BAJMC/PJ/12**

3. **क्रेडिट: 04**

4. **सेमेस्टर: तृतीय सेमेस्टर**

5. पाठ्यचर्या विवरण: इस पाठ्यचर्या के माध्यम से विद्यार्थी फोटो पत्रकारिता के क्षेत्र से संबन्धित तकनीकी ज्ञान एवं नई जांकारियों से अवगत होते हुए फोटो पत्रकारिता के क्षेत्र में कैरियर निर्माण एवं व्यवसाय की संभावनाओं के संदर्भ में ज्ञान अर्जित करेगा।
(Description of Course)

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

- विभिन्न संस्थानों में कैरियर के रूप में फोटोग्राफर बनने की क्षमता का निर्माण।
- प्रिंट मीडिया के क्षेत्र में फोटो पत्रकार के रूप में बनने की क्षमता का विकास।
- प्रेस रिपोर्टर, फोटो संपादक, फोटो फीचर संपादक के रूप में कैरियर बनाने का अवसर।
- फोटोग्राफी के क्षेत्र भी फ्रीलांस फोटोग्राफर केरूप में कार्य करने की क्षमता।
- फोटोग्राफी के क्षेत्र में व्यवसाय आरंभ करने में सक्षम।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(**Contents** of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल/ संवाद** (यदि अपेक्षित हैं)	**प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..**(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**फोटो पत्रकारिता परिचय** • फोटो पत्रकारिता • फोटो पत्रकारिताकी आवश्यकता	08	02	10/2	15	25

	-फोटो पत्रकार के गुण एवं दायित्व ● फोटो पत्रकारिता कीसावधानियां एवं चुनौतियां ● फोटो पत्रकारिता के क्षेत्र					
मॉड्यूल-2	**कैमरे का परिचय एवं उपयोग** ● कैमरे का परिचय ● कैमरा लेंस एवं प्रकार ● शटर स्पीड ● अपर्चर	05	02	**16/2**	15	25
मॉड्यूल-3	**फोटोग्राफी का तकनीकी पक्ष** ● कैमरा हैंडलिंग -कैमरा एंगल ● मुख्य कैमरा शॉट्स के प्रकार ● फोटोग्राफी: फ्रेम एवं कंपोजीशन ● कैमरालाइटिंग तकनीक: 1/2/3/ लाइटिंग -लाइटिंग स्रोत	06	02	**14/2**	15	25
मॉड्यूल-4	**फोटो संपादन प्रक्रिया** ● फोटो संपादन : सॉफ्टवेयर का परिचय ● फोटो संपादन तकनीक ● फोटो संपादन का महत्व ● फोटो चयन की प्रक्रिया	06	02	**14/2**	15	25
योग		**25**	**08**	**54/2**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विवेचनात्मक, निगमनात्मक/अनुमानात्मक, अंतरानुशासनिक,समेकित, चिंतनशील, निर्माणवादी, कक्षा अध्यापन, प्रायोगिक, मूडल्स, गूगल मीट।

विधियाँ	व्याख्यान परिचर्चा, पैनल चर्चा, विचार –विमर्श, सामूहिक चर्चा, प्रस्तुतीकरण, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	सहयोगी अधिगम, विभेदित अनुदेशन, कम्प्युटर सहायित अनुदेशन,पावर,पोईंट प्रेज़ेंटेशन,दृश्य- श्रव्य माध्यम ,वेब पेज ,ब्लॉग ,सोशल मीडिया ,यू ट्यूब ,मूडल्स।
उपादान	लैपटॉप, स्मार्टबोर्ड, प्रोजेक्टर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8	लक्ष्य 9	लक्ष्य 10	लक्ष्य 11	लक्ष्य 12	लक्ष्य 13	लक्ष्य 14
	X		X			X		X	X				X	X

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	• सिंह,विशनू प्रिया. (year). *डिजिटल फ़ोटोग्राफ़ी (हिंदी)*.दिल्ली: - कम्प्यूटेकप्रकाशन लिमिटेड. • यादव, नरेंद्र सिंह. (year). *फोटोग्राफी तकनीक और उपयोग*.राजस्थान: राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी. • बुक्स, कार्लटन. (year). *प्रैक्टिकल फोटोग्राफी डिजिटल कैमरा स्कूल: महान चित्र लेने के लिए कदम दर कदम गाइड*. लंदन: कार्लटन बुक्स लिमिटेड. • हसन, रियाज. (year). *डिजिटल फोटोग्राफी (हिंदी)*. जयपुर, राजस्थान: बूक एन्क्लेवप्रकाशन.
3	ई-संसाधन	https://swayam.gov.in/ https://epgp.inflibnet.ac.in/ http://hindivishwa.org/contentdtl.aspx?category=11 https://www.openschoolofjournalism.com/ https://www.flickr.com/photos/tags/flicker/ https://www.worldphoto.org/
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. **पाठ्यचर्याका नाम: जनसंपर्क**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	51
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	06
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	06/2
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. **पाठ्यचर्या का कोड:-BAJMC/PR/13**

3. **क्रेडिट:- 04**

4. **सेमेस्टर:- तृतीय**

5. पाठ्यचर्या विवरण:-
(Description of Course)

प्रस्तुत पाठ्यचर्या में जनसंपर्क की अवधारणा एवं स्वरूप, जनसंपर्क के उपकरण, जनसंपर्क अधिकारी की विशेषताएं एवं चुनौतियाँ एवं कार्य, जनसंपर्क के विविध आयाम, जनसंपर्क की नैतिकता आदि प्रमुख बिंदु शामिल हैं।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: -
(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

1) जनसंपर्क क्षेत्र का स्वरूप एवं कार्यविधि से परिचित कराना।
2) जनसंपर्क क्षेत्र में कार्य करने हेतु तैयार करना।
3) जनसंपर्क क्षेत्र में प्रयोग हो रही नई संचारतकनीकी से परिचित करना।
4) सभी क्षेत्र में जनसंपर्क अधिकारी के रूप में कार्य करने हेतु क्षमता विकसित करना।
5) जनसंपर्क के लिए विविध लेखन कार्य की क्षमता विकसित करना।
6) जनसंपर्क की नैतिकता के बारे में परिचित कराना।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल संवाद/ (यदि अपेक्षित हैं)	प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		

मॉड्यूल-1	**-जनसंपर्क की परिभाषा और अवधारणा** - जनसंपर्क का विकास -जनसंपर्क का उद्देश्य, महत्त्व -जनसंपर्क के क्षेत्र -जनसंपर्क के उपकरण	15	----	-----	15	**25%**
मॉड्यूल-2	**-जनसंपर्क अधिकारी की विशेषताएं एवंकार्य** -जनसंपर्क अधिकारी की विशेषताएं -दायित्व -चुनौतियां -जनसंपर्क अधिकारी के कार्य - मीडिया संपर्क - ई – जनसंपर्क	13	02	-----	15	**25%**
मॉड्यूल-3	**जनसंपर्क के विविध आयाम** - जनसंपर्क एवं लक्षित समूह -जनसंपर्क एवं माध्यम चयन -जनसंपर्क एवं मीडिया संपर्क -जनसंपर्क एवं विज्ञापन -जनसंपर्क और प्रचार -जनसंपर्क और प्रोपेगंडा - जनसमम्पर्क और कॉर्पोरेट संचार	10	02	06/2		**25%**
मॉड्यूल-4	**जनसंपर्क की नैतिकता और कानून** - जनसंपर्क की नैतिकता	13	02	----	15	**25%**

	- जनसंपर्क अधिकारी की प्रामाणिकता - जनसंपर्क से संबंधित कानून - जनसंपर्क -व्यावसायिक संगठन की आचारसंहिता					
योग		**51**	**06**	**06/2**	**60**	**100%**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विवेचनात्मक, निगमनात्मक/अनुमानात्मक, अंतरानुशासनिक,समेकित, चिंतनशील, निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान परिचर्चा, पैनल चर्चा, विचार –विमर्श, सामूहिक चर्चा, प्रस्तुतीकरण, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	सहयोगी अधिगम, विभेदित अनुदेशन, कम्प्युटर सहायित अनुदेशन
उपादान	लैपटॉप, स्मार्टबोर्ड, प्रोजेक्टर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8	लक्ष्य 9	लक्ष्य 10	लक्ष्य 11	लक्ष्य 12	लक्ष्य 13	लक्ष्य 14
1						X		X		X				
2							X	X		X				X
3					X			X	X	X		X		
4										X				X
5	X						X			X				
6										X				

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	• द रोल ऑफ पब्लिक रिलेशन्स इन मैनेजमेंट – सेम ब्लैक, यूनिवर्सल बूक स्टाल, नई दिल्ली • भारत में जनसंपर्क – बलदेव राज गुप्ता,

		विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी • मास कम्युनिकेशन एण्ड जर्नलिज़्म इन इंडिया -: मेहता .एस.डीएलाइड पब्लिशर्स, नई दिल्ली • जनसंपर्क – चंद्रकांत सरदाना एवं सुषमा कस्बेकर, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर • जनसंपर्क, प्रचार एवं विज्ञापन – डॉ विजय कुलश्रेष्ठ, राजस्थान प्रकाशन, जयपुर • जनसंपर्क एवं विज्ञापन – डॉ सुधीर सोनी, यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन, जयपुर • जनसंचार विश्वकोश-प्रो रमेश जैन -नेशनल पब्लिशिंग हाउस, जयपुर • जनसंपर्क एवं विज्ञापन– डॉ निशांत सिंह,राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली • Brand Equity & Advertising- Advertising's role in building strong brands, -2013David A. Aker, Alexander L. Biel, Psychology Press • 'Managing Public Relations' By E.Grunig James and Hunt Todd. New York: Rinehart and Winston. • 'Public Relations Management' By JaishriJethwaney and N.N.Sarkar.NewDelhi:Sterling Publishers Private Limited. • Public Relations in India' BY J.M.Kaul.Kolkotta:NayaProkash. • 'PR as Communication Management' By CrableE.Richard.Edina,Min:Bellwether Press • 'Public Relations:The Profession and the Practice' By Baskin W.Otis,AronoffE.Croig and Lattimore Dan. Dunuque: Brown & Benchmark.
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. **पाठ्यचर्या का नाम: सहभागी विकास संचार**

2. **पाठ्यचर्या का कोड: BAJMC/PD/14**

3. **क्रेडिट: 04**

4. **सेमेस्टर : तृतीय**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	08
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. **पाठ्यचर्या विवरण:**
(Description of Course)

इस पाठ्यचर्या द्वारा छात्र विकास की अवधारणा तथा समाज में व्याप्त समस्याओं पर विचार करेंगे। विकास, सहभागिता एवं मीडिया के अंतरसम्बंध को समझेंगे।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

- छात्र/ छात्राएँ विकास एवं संचार के अंतरसंबंध को समझेंगे।
- छात्र/छात्राएँ सतत विकास लक्ष्य एवं भारत के वर्तमान स्थिति का विश्लेषण करेंगे।
- छात्र/ छात्राएँ गाँव के विकास में आए अवरोध एवं उसके निदान बेहतर समझ पाएँगे।

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	• विकास : अर्थ, परिभाषा एवं	13 घंटे	2 घंटे	-	15 घंटे	**25%**

	अवधारणा ● विकासकाउद्देश्य, महत्त्व ● विकास के कारक एवं तत्त्व ● विकसितएवंविकास शीलसमाज : स्वरूपएवं अंतर					
मॉड्यूल-2	**विकास के विभिन्न मुद्दे** ● गरीबी, भूख, ● शिक्षा, बेरोजगारी ● लैंगिक असमानता ● महिला एवं बाल विकास	13 घंटे	2 घंटे	-	15 घंटे	**25%**
मॉड्यूल-3	● निम्न जीवन स्तर ● पर्यावरण ● कृषि ● विकास सूचकांक- **HDI, GDP**	**13** घंटे	2 घंटे	-	15 घंटे	**25%**
मॉड्यूल-4	● सहभागी विकास संचार ● स्वयं सहायता समूह ● ग़ैर सरकारी संगठन ● सामुदायिक रेडियो	13 घंटे	2 घंटे	-	15 घंटे	**25%**
योग		**52**	**08**		**60**	**100%**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा अध्यापन प्रायोगिक मूडल्स गूगल मीट
विधियाँ	व्याख्यान ई-व्याख्यान परिचर्चा सामूहिक परिचर्चा प्रस्तुतिकरण संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण
तकनीक	पावर पोईंट प्रेज़ेंटेशन दृश्य- श्रव्य माध्यम वेब पेज ब्लॉग सोशल मीडिया यू ट्यूब मूडल्स
उपादान	लैप टॉप मोबाइल मूडल्स

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8	लक्ष्य 9	लक्ष्य 10	लक्ष्य 11	लक्ष्य 12	लक्ष्य 13	लक्ष्य 14
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	**X**	-	-	**X**	-	-	-	-	-	-	**-**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)	**सत्रांत परीक्षा (75%)**

घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (**80**%)			**मौखिकी** (**20**%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• कटार सिंह & अनिल शिशोदिया (2018). *ग्रामीण विकास*, नई दिल्ली :सेज भाषा • सुशील त्रिवेदी & शशिकांत शुक्ल(2013). *विकास संचार और पत्रकारिता,* दिल्ली: प्रिया पुस्तक सदन • पत्रकारिता एवं विकास संचार- ए के उपाध्याय • विकास संचार के विविध परिदृश्य – चंद्रा शेखर यादव, हिमाद्रि पब्लिकेशन • विकास एवं सूचना क्रांति- पी जोशी, ग्रंथ शिल्पी • ग्रामीण विकास एवं नियोजन- रेखा शर्मा • ग्रामीण विकास में जनसंचार माध्यमों की भूमिका- राकेश निगम • Mass Communication In India, Kewal J. Kumar.

		Jaico Publication. • Passing of Traditional Society, Daniel Learner • Communication for Development in the Third World- Srinivas R Melkote and H Leslie Steeves. SagePublication • Development Communication- Theory and Practice, Uma Narula • India Development and Participation- Jean Dreze& Amartya Sen
2	संदर्भ-ग्रंथ	**www.swayam.gov.in**
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. **पाठ्यचर्या का नाम: प्रिंट मीडिया संपादन**

2. **पाठ्यचर्या का कोड:-BAJMC/ME/15**

3. **क्रेडिट:- 02**

4. **सेमेस्टर: तृतीय**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	04
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	12/2
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	**30**

5. पाठ्यचर्या विवरण:-

(Description of Course)

प्रस्तुत पाठ्यचर्या में प्रिंट मीडिया संपादन की अवधारणा, समाचार पत्र संपादन : प्रक्रिया एवं स्वरूप, पत्रिका संपादन: प्रक्रिया एवं स्वरूप, ऑनलाइन संपादन, फोटो संपादनआदि प्रमुख बिंदु शामिल हैं।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: -

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

1) प्रिंट मीडिया संपादन कार्य की समझ विकसित करना।
2) समाचार पत्र एवं पत्रिका के संपादनप्रक्रिया को समझना।
3) फोटो संपादन एवं ऑनलाइन संपादन की तकनीक में कुशल बनाना।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		

मॉड्यूल-1	**प्रिंट मीडिया संपादन की अवधारणा** **-**सम्पादन का अर्थ एवं परिभाषा -सम्पादन की आवश्यकता एवं महत्व -समाचार पत्र में संपादक की भूमिका -पत्रिका में संपादक की भूमिका -संपादक के गुण, दायित्व एवं विशेषताएं - संपादन प्रक्रिया के चरण	10	02	06/2	15	**50%**
मॉड्यूल-2	**समाचार पत्र संपादन : प्रक्रिया एवं स्वरूप** -संपादकीय विभाग की संरचना -समाचार का चयन एवं संपादन - प्रेस कॉपी लेखन - प्रूफ संशोधन **-**पत्रिका संपादन: प्रक्रिया एवं स्वरूप -फोटो संपादन की तकनीक -ऑनलाइन संपादन	10	02	06/2	15	**50%**
योग		**20**	**04**	**12/2**	**30**	**100%**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विवेचनात्मक, निगमनात्मक/अनुमानात्मक, अंतरानुशासनिक,समेकित, चिंतनशील, निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान परिचर्चा, पैनल चर्चा, विचार –विमर्श, सामूहिक चर्चा, प्रस्तुतीकरण, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	सहयोगी अधिगम, विभेदित अनुदेशन, कम्प्युटर सहायित अनुदेशन
उपादान	लैपटॉप, स्मार्टबोर्ड, प्रोजेक्टर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8	लक्ष्य 9	लक्ष्य 10	लक्ष्य 11	लक्ष्य 12	लक्ष्य 13	लक्ष्य 14
1		X					X		X					
2		X				.	X		X					X
3		X			X		X		X					

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	• मुद्रण माध्यम एवं संपादन – डॉ विजय कुलश्रेष्ठ, पंचशील प्रकाशन, जयपुर • संपादन, पृष्ठ सज्जा और मुद्रण प्रो रमेश जैन -, मंगलदीप पब्लिकेशन, जयपुर • आधुनिक पत्रकारिता – डॉ अर्जुन तिवारी,विश्वविद्यालय प्रकाशन, नई दिल्ली + • फोटो पत्रकारिता –डॉ गुलाब कोठारी, पंचशील प्रकाशन, जयपुर • समाचार फीचर लेखन एवं संपादन कला,हरिमोहन :, तक्षशिला पब्लिकेशन, नई दिल्ली • News Reporting & Editing: K.M. Shrivastava, Sterling Publishers, New Delhi • Newswriting and Reporting: James M. Neal & Suzanne S. Brown, Blackwell, reprinted in India by Surjeet, .2007 • News Reporting and Writing: Alfred Lawrence Lorenz & John Vivian, Pearson Education, .2006
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. **पाठ्यचर्या का नाम: मीडिया शोध**

2. **पाठ्यचर्या का कोड:BAJMC/MR/16**

3. **क्रेडिट: 4**
4. **सेमेस्टर: चतुर्थ**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	**60**

5. पाठ्यचर्या विवरण:

- इस पाठ्यचर्या में संचार एवं मीडिया शोध की अवधारणा, अर्थ, परिभाषा, महत्व, चरण, दृष्टिकोण के साथ ही परिकल्पना, शोध विधियाँ एवं आँकड़ा संग्रहण की विधियों का भी प्रशिक्षण दिया जाएगा।
- संचार शोध में मॉडल एवं सिद्धांत के महत्व का अध्ययन किया जाएगा।
- विभिन्न शोध अभिकल्पों का परिचय एवं तथ्य संकलन की विधियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा।
- विभिन्न प्रकार के प्रतिवेदन लेखन का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।
- मीडिया शोध के विभिन्न आयामों का परिचय प्रदान किया जाएगा।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

- मीडिया के विभिन्न क्षेत्रों में शोध का अवसर प्रदान करना ।
- मीडिया शोध प्राविधि से अवगत कराना ।
- संचार सिद्धांतों को भारतीय परिपेक्ष में अनुप्रयोग में लाना।
- स्थानीय समस्याओं की पहचान एवं मीडिया शोध के माध्यम से समाधान के विकल्प प्रस्तुत करना।
- मीडिया शोध कार्य करने में दक्ष बनाना।
- मीडिया शोध को सफलता पूर्वक पूरा करने में दक्ष बनाना।
- शोध प्रतिवेदन लेखन सिखाना।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल /संवाद	प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(।		

			(यदि अपेक्षित हैं)	nteraction/ Training/ Laboratory)		share to the Course)
मॉड्यूल-1	**शोध की अवधारणा** 1 शोध का अर्थ एवं परिभाषा 2 वैज्ञानिक शोध की विशेषताएं 3 मीडिया शोध का अभिप्राय 4 मीडिया शोध का क्षेत्र 5 शोध के चरण	**13**	**2**		**15**	**25%**
मॉड्यूल-2	**प्रदत्तों का संकलन एवं उपकरण** 2.1 अवलोकन 2.2 साक्षात्कार 2.3 प्रश्नावली 2.4 अनुसूची 2.5 अनुमापन	**13**	**2**		**15**	**25%**
मॉड्यूल-3	**शोध प्रविधि** 3.1 सर्वेक्षण 3.2 अंतर्वस्तु विश्लेषण 3.3 व्यैक्तिक अध्ययन 3.4 जनगणना विधि 3.5 निदर्शन विधि	**13**	**2**		**15**	**25%**
मॉड्यूल-4	**शोध विश्लेषण** 5.1 चर 5.2 प्राकल्पना 5.3 डाटा के प्रकार 5.4 आंकड़ा विश्लेषण 5.5 अनुसंधान अभिकल्प	**13**	**2**		**15**	**25%**
योग		**52**	**8**		**60**	**100%**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	संवादात्मक एवं विद्यार्थी केंद्रित शिक्षण
विधियाँ	व्याख्यानविधि, वस्तुविधि, दृष्टांतविधि

तकनीक	निगमनात्मक तथा आगमनात्मक
उपादान	ऑडियो वीडियो, मॉडेल एवं रेखा चित्र

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8	लक्ष्य 9	लक्ष्य 10	लक्ष्य 11	लक्ष्य 12	लक्ष्य 13	लक्ष्य 14
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	**X**	-	**X**	-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

\# विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	• गुप्ता, वी. (2015). संचार एवं मीडिया शोध नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन. • दयाल, एम. (2003). मीडिया शोध. पंचकुला: हरियाणा साहित्य अकादमी. • सिंह, ए. के. (2008). मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियाँ. नई दिल्ली: मोतीलाल बनारसीदास प्रकाशन. • राय, सी.पी. व राय, पी. (2013). अनुसंधान परिचय. आगरा: लक्ष्मी नारायण अग्रवाल. • यादव, आर. एन. (2014). सामाजिक अनुसंधान पद्धतियाँ. नई दिल्ली: ओरियंट ब्लैकस्वान. • त्रिपाठी, एस. व श्रीवास्तव, ए. के. (2017). सामाजिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी नई दिल्ली: रावत प्रकाशन.
3	ई-संसाधन	• https://www.modares.ac.ir/uploads/Agr.Oth.Lib.17.pdf • https://www.cartercenter.org/resources/pdfs/health/ephti/library/lecture_notes/health_science_students/In_research_method_final.pdf • http://www.ddegjust.ac.in/studymaterial/mba/cp-206.pdf • https://www.mobt3ath.com/uplode/book/book-21326.pdf • https://epgp.inflibnet.ac.in/ • https://swayam.gov.in/
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. **पाठ्यचर्या का नाम: मीडिया विधि**

2. **पाठ्यचर्या का कोड:BAJMC/ML/17**

3. **क्रेडिट: 4**

4. **सेमेस्टर:चतुर्थ**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

5. पाठ्यचर्या विवरण:

- समकालीन मीडिया में मीडिया विधि के नैतिक पक्ष को खोजना.
- मूल्यपरक उदाहरणों को संकलित करना.
- मीडिया विधि के पालन एवं उल्लंघन की समीक्षा करना.
- पाठ्यचर्या से संबंधित विभिन्न अद्यतन उदाहरण एवं प्रकरण को जनमाध्यमों में अवालोकित कराना .
- संचार एवं सूचना संबंधी अधिनियमों की व्याख्याओं को मीडिया संस्थानों में उपयोग व संचालन करने की व्यवस्थाओं का प्रतिरूप देखना.
- मीडिया विधि के संदर्भ तथा आख्यानों को समझाना .

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

- मीडिया विधि के विविध आयामों से अवगत होना .
- पित करना तथागरिमा को स्था विद्यार्थियों में पत्रकारीय पेशे की उच्च
- के अनुपानार्थ मीडिया विधि एवं संबंधित वैधानिक अनुक्रमों का ज्ञान एवं व प्रतिष्ठाय महत्वराष्ट्री .प्रशिक्षण
- क्ति कोक अभिव्यमीडिया की नैतिकता तथा अनुशासनात्म स्थापित करने हेतु सक्षम व्यावसायिक व्यक्तियों का निर्माण संभव.

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल /संवाद (यदि अपेक्षित हैं)	प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	1.1 भारत में स्वतन्त्रता पूर्व एवं पश्चात प्रेस कानून 1.2 प्रेस स्वतंत्रता की अवधारणा	13	2		15	25%

	1.3 भारतीय संविधान में प्रेस की स्वतंत्रता 1.4 प्रेस स्वतंत्रता पर प्रतिबंध और आपातकाल 1.5 सामाजिक निर्माण, मूल्य और नैतिकता के वैधानिक एवं पत्रकारीय दृष्टिकोण					
मॉड्यूल-2	2.1 प्रेस एवं पुस्तक पंजीकरण अधिनियम 1867 2.2 न्यायलय की अवमानना अधिनियम 1971 2.3 मीडिया को प्रभावित करने वाले भारतीय दंड संहिता (1860) 2.4 आपराधिक दंड प्रक्रिया संहिता के प्रमुख (1973) प्रावधान 2.5 प्रतिलिप्याधिकार अधिनियम 1957	**13**	**2**		**15**	**25%**
मॉड्यूल-3	3.1 शासकीय गोपनियता अधिनियम 1923 3.2 सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 3.3 कॉपीराइट अधिनियम 1957 3.4 प्रेस परिषद अधिनियम 1978 3.5 श्रमजीवी पत्रकार अधिनियम 1955	**13**	**2**		**15**	**25%**
मॉड्यूल-4	4.1 प्रसार भारती अधिनियम 1990 4.2 सूचना प्रौद्योगिकीय अधिनियम 2000 4.3 मीडिया परिषद पर बहस एवं नियमन 4.4 प्रथम प्रेस आयोग 4.5 द्वितीय प्रेस आयोग	**13**	**2**		**15**	**25%**
योग		**52**	**8**		**60**	**100%**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	संवादात्मक एवं विद्यार्थी केंद्रित शिक्षण
विधियाँ	व्याख्यानविधि, वस्तुविधि, दृष्टांतविधि
तकनीक	निगमनात्मक तथा आगमनात्मक
उपादान	ऑडियो वीडियो, मॉडेल एवं रेखा चित्र

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8	लक्ष्य 9	लक्ष्य 10	लक्ष्य 11	लक्ष्य 12	लक्ष्य 13	लक्ष्य 14
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	**X**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	**-**	-	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	• शर्मा ब्रजकिशोर, भारत का संविधान.प्रेंटिस हॉल ऑफ इंडिया : नई दिल्ली . • त्रिखा नंदकिशोर.विद्यालय प्रकाशनविश्व :वाराणसी .प्रेस विधि . • Neelmalar, M. (2016). Media Law and Ethics. New Delhi: PHI Learning Private Limited. • Jain, M.P. (2008). Indian Constitution Law. Nagpur: Wadhwa& Company. • Wadehra, B.L. (2003). Patents Trade Marks Copyright Designs & Geographical Indications. New Delhi, Universal Law Publishing. • DhirajIal&RatanIal. The Indian Penal Code.Nagpur, Wadhwa& Company.
3	ई-संसाधन	• http://www.jru.edu.in/wp-content/uploads/moocs/e-books/journalism-and-mass-communication/Media_Ethics_Laws.pdf • https://old.o94.at/wp-content/uploads/Introduction-to-Media-Law_EN.pdf • https://www.loyolacollege.edu/e-document/viscom/Prof.Bharathi/Handbook_of_Mass_Media_Ethics.pdf

		• https://epgp.inflibnet.ac.in/ • https://swayam.gov.in/
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. **पाठ्यचर्या का नाम:रेडियो पत्रकारिता**

2. **पाठ्यचर्या का कोड:BAJMC/RJ/18**
3. **क्रेडिट: 04**
4. **सेमेस्टर: चतुर्थ सेमेस्टर**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**26**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	04
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	**52/2**
कौशल विकास गतिविधियाँ	**04**
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण: इस पाठयचार्य के माध्यम से विद्यार्थी रेडियो माध्यम के क्षेत्र में पत्रकारिता के स्वरूप को समझते हुए कार्यक्रम निर्माण एवं कार्यक्रम प्रस्तुतीकरण की योग्यताएँ धारण कर सकेगा एवं इस क्षेत्र में कैरियर निर्माण के लिए भी योग्य बन सकेगा।

(Description of Course)

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

- रेडियो समाचारोंको आवश्यकता के अनुरूप विकसित करने में सक्षम।
- रेडियो कार्यक्रम का निर्माणएवं संपादन करने में सक्षम।
- रेडियो उद्घोषक के रूप में कैरियर बनाने में सक्षम।
- रेडियो कमेंटेटर के रूप में कार्य करने की योग्यता।
- समाचार प्रस्तुतीकरण की कार्यक्षमता का विकास।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल/ संवाद (यदि अपेक्षित हैं)	प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction / Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**रेडियो पत्रकारिता परिचय** • रेडियो पत्रकारिता: अवधारणा - रेडियो पत्रकारिता से आशय • रेडियो समाचार प्रसारण • आकाशवाणी की प्रसारण व्यवस्था	08	02	**10/2**	15	25**%**

	• रेडियो पत्रकारिता के क्षेत्र					
मॉड्यूल-2	**रेडियो समाचार लेखन एवं प्रस्तुतीकरण** • रेडियो समाचार लेखन की संरचना • रेडियो प्रसारण की भाषा -महत्व एवं उपयोगिता • समाचार प्रस्तुतीकरण -सावधानियां एवं चुनौतियां • समाचार आधारित कार्यक्रम विधाएं -वार्ता, परिचर्चा, साक्षात्कार एवं समीक्षा	06	02	**14/2**	15	25**%**
मॉड्यूल-3	**रेडियो पत्रकारिता उपकरण एवं तकनीक** • माइक्रोफोन : प्रकार एवं चयन • वॉइस रिकॉर्डर -उपयोग एवं महत्व • रेडियो उद्घोषक-गुण एवं विशेषताएं • रेडियो उद्घोषक के दायित्व,सावधानियां एवं चुनौतियां	06	02	**14/2**	15	25**%**
मॉड्यूल-4	**रेडियो समाचार संपादन तकनीक** • संपादन : अवधारणा -संपादन आवश्यकता एवं महत्व • रेडियो कार्यक्रमों का संपादन • संपादन साफ्टवेयर का परिचय ऑडासिटी • सीधा प्रसारण एवं कमेंट्री	06	02	**14/2**	15	25**%**
योग		**26**	**08**	**52/2**	**60**	**100%**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विवेचनात्मक, निगमनात्मक/अनुमानात्मक, अंतरानुशासनिक,समेकित, चिंतनशील, निर्माणवादी, कक्षा अध्यापन, प्रायोगिक, मूडल्स, गूगल मीट।
विधियाँ	व्याख्यान परिचर्चा, पैनल चर्चा, विचार –विमर्श, सामूहिक चर्चा, प्रस्तुतीकरण, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	सहयोगी अधिगम, विभेदित अनुदेशन, कम्प्युटर सहायित अनुदेशन,पावर,पोईंट प्रेज़ेंटेशन,दृश्य- श्रव्य माध्यम ,वेब पेज ,ब्लॉग ,सोशल मीडिया ,यू ट्यूब ,मूडल्स।
उपादान	लैपटॉप, स्मार्टबोर्ड, प्रोजेक्टर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8	लक्ष्य 9	लक्ष्य 10	लक्ष्य 11	लक्ष्य 12	लक्ष्य 13	लक्ष्य 14
	X		X			X		X	X				X	X

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	• कुमार, केवल जे. (2017). *मास कम्युनिकेशन इन इंडिया* (हिंदी एवं अंग्रेजी संस्करण). मुंबई: जायको पब्लिकेशन. • कठेरिया, डॉ. धरवेश और सिंह, डॉ. महावीर. (2013). *रेडियो माध्यम और तकनीक*. दिल्ली: शिल्पायन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स. • कठेरिया, डॉ. धरवेश और सिंह, डॉ. महावीर. (2017). *रेडियो कार्यक्रम निर्माण एवं प्रस्तुति*. दिल्ली: नेहा प्रकाशन.
3	ई-संसाधन	https://swayam.gov.in/ https://epgp.inflibnet.ac.in/ http://hindivishwa.org/contentdtl.aspx?category=11 https://www.openschoolofjournalism.com/
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. **पाठ्यचर्या का नाम:-** विज्ञापन

2. **पाठ्यचर्या का कोड:-BAJMC/AD/19**

3. **क्रेडिट:- 04**

4. **सेमेस्टर:- चतुर्थ**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	44
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	08
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	16/2
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:-
(Description of Course)

प्रस्तुत पाठ्यचर्या में विज्ञापन का अर्थ एवं परिभाषा, विज्ञापन का विकास,विज्ञापन निर्माण कार्यविधि एवं विज्ञापन शोध, विज्ञापन के प्रकार,विज्ञापन प्रबंधन एवं आचार संहिताआदि प्रमुख बिंदु शामिल हैं।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: -
(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

1. विज्ञापन तकनीक का कौशल विकसित करना।
2. विविध मीडिया के विज्ञापन कॉपी लेखन का कौशल विकसित करना।
3. विविध मीडिया के विज्ञापन निर्माण की तकनीक की कुशलता विकसित करना।
4. विज्ञापन उद्योग, विज्ञापन एजेंसी के क्षेत्र में कार्य करने हेतु तैयार करना।
5. विज्ञापन के क्षेत्र में स्वयंरोजगार हेतु तैयार करना।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(**Contents** of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल/ संवाद** (यदि अपेक्षित हैं)	**प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..**(Interaction/ Training/ Laboratory)		

मॉड्यूल-1	**विज्ञापन का अर्थ, अवधारणा एवं विकास** -विज्ञापन का अर्थ एवं परिभाषा अवधारणा - विज्ञापन के तत्त्व, उद्देश्य, महत्त्व -विज्ञापन का विकास - मीडिया और विज्ञापन की प्रवृत्ति	**13**	02	---	15	**25**
मॉड्यूल-2	**विज्ञापन कॉपी लेखन एवं उपभोक्ता व्यवहार** -विज्ञापन की भाषा , अपील -विज्ञापन कॉपी लेखन - विज्ञापन के अवयव -विज्ञापन: लक्षित समूह, माध्यम चयन -विज्ञापन और उपभोक्ता व्यवहार	**08**	02	**10/2**	15	**25**
मॉड्यूल-3	**विज्ञापन के प्रकार** - प्रिंट मीडिया विज्ञापन - रेडियो विज्ञापन - टीवी विज्ञापन - ऑनलाइन विज्ञापन - सामाजिक विज्ञापन	13	02	**---**	15	**25**
मॉड्यूल-4	**विज्ञापन प्रबंधन एवं आचार संहिता** -विज्ञापन एजेंसी की संरचना -विज्ञापन एजेंसी की कार्यशैली -विज्ञापन एजेंसी की उपयोगिता - विज्ञापन बजट	10	02	0**6/2**	15	**25**

	-विज्ञापन की आचार संहिता -भारतीय विज्ञापन मानक परिषद					
योग		**44**	**08**	**16/2**	**60**	**100%**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विवेचनात्मक, निगमनात्मक/अनुमानात्मक, अंतरानुशासनिक,समेकित, चिंतनशील, निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान परिचर्चा, पैनल चर्चा, विचार –विमर्श, सामूहिक चर्चा, प्रस्तुतीकरण, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	सहयोगी अधिगम, विभेदित अनुदेशन, कम्प्युटर सहायित अनुदेशन
उपादान	लैपटॉप, स्मार्टबोर्ड, प्रोजेक्टर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8	लक्ष्य 9	लक्ष्य 10	लक्ष्य 11	लक्ष्य 12	लक्ष्य 13	लक्ष्य 14
1										X				
2										X				
3									X	X				
4										X				X
5	.									X				X
6										X				

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	• Chunawalla SA &Sethia KC, foundations of Advertising Theory and practice, publisherHimalaya Publishing House, Delhi, 2000.

		• Chunawalla SA other advertising theory and practice, publisher- Himalaya publishing house, Delhi, 2009. • Batra Rajeev & other, advertising management (fifth edition), Publisher- prentice hall of India, New Delhi, 2000. • Advertising and Promotion : An Integrated Marketing Communications Perspective George Belch and Michael Belch, 2015, 10th Edition, McGraw Hill Education • Contemporary Advertising, 2017, 15th Edition, William Arens, Michael Weigold and Christian Arens, Hill Higher Education • Kleppner's Advertising Procedure – Ron Lane and Karen King, 18th edition, 2011– Pearson a. Education Limited • Advertising: Planning and Implementation, 2006– Raghuvir Singh, Sangeeta Sharma – Prentice Hall Advertising Management, 5th Edition, 2002– Batra, Myers and Aaker – Pearson Education • Advertising Principles and Practice, - 2012 Ruchi Gupta – S.Chand Publishing • Brand Positioning – Strategies for Competitive Advantage, Subroto Sengupta, 2005, Tata McGraw Hill Publication. • The Advertising Association Handbook - J. J. D. Bullmore, M. J. Waterson, - 1983Holt Rinehart & Winston • Integrated Advertising, Promotion, and Marketing Communications, Kenneth E. Clow and Donald E. Baack, 5th Edition, 2012– Pearson Education Limited • Kotler Philip and Eduardo Roberto, Social Marketing, Strategies for Changing Public Behaviour, 1989, The Free Press, New York. • Confessions of an Advertising Man, David Ogilvy, 2012, Southbank Publishing • Advertising, 10th Edition, - 2010Sandra

		Moriarty, Nancy D Mitchell, William D. Wells, Pearson 5. 'Public Relations:The Profession and the Practice' By Baskin W.Otis,AronoffE.Croig and Lattimore Dan. Dunuque: Brown & Benchmark. 6.'Vigyapanaurjansampark' By JaishriJethwaney,RaviShanker and NarendraNath Sarkar. New Delhi:Sagar Publica
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. **पाठ्यचर्या का नाम: मीडिया प्रबंधन**

2. **पाठ्यचर्या का कोड: BAJMC/MM/20**

3. **क्रेडिट:- 02**

4. **सेमेस्टर:- चतुर्थ**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	23
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	04
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	06/2
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	**30**

5. **पाठ्यचर्या विवरण:-**

(Description of Course)

प्रस्तुत पाठ्यचर्या में प्रबंधन की अवधारणा, प्रबंधन के सिद्धांत, मीडिया प्रबंधन की अवधारणा, मीडिया स्वामित्व का स्वरूप एवं प्रकार, मीडिया का संगठनात्मक स्वरूप एवं मीडिया प्रबंधनआदि प्रमुख बिंदु शामिल हैं।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: -

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

1. प्रबंधकीय कुशलता विकसित करना।
2. मीडिया प्रबंधक के रूप में कार्य हेतु तैयार करना।
3. मानव संसाधन प्रबंधन के क्षेत्र में कार्य करने हेतु क्षमता विकसित करना।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course)**

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल/ संवाद** (यदि अपेक्षित हैं)	**प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..**(Interaction/ Training/ Laboratory)		

मॉड्यूल-1	प्रबंधन एवं मीडिया प्रबंधन की अवधारणा -प्रबंधन का अर्थ एवं परिभाषा -प्रबंधन के प्रमुख सिद्धांत - विपणन प्रबंधन: 4पी की अवधारणा -मीडिया प्रबंधन की अवधारणा -मीडिया प्रबंधन की चुनौतियां -	**13**	**02**	**--**	15	**50%**
मॉड्यूल-2	मीडिया का संगठनात्मक स्वरूप एवं मीडिया प्रबंधन -प्रिंट मीडिया का संगठनात्मक स्वरूप -प्रिंट मीडिया का प्रबंधन -रेडियो मीडिया का संगठनात्मक स्वरूप -रेडियो मीडिया का प्रबंधन -टीवी मीडिया का संगठनात्मक स्वरूप -टीवी मीडिया का प्रबंधन मीडिया स्वामित्व की अवधारणा -मीडिया स्वामित्व के प्रकार - मीडिया स्वामित्व एवं मीडिया एकाधिकार	**10**	02	**06/2**	15	**50%**
योग		**23**	**04**	**06/2**	**30**	**100%**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विवेचनात्मक, अनुमानात्मक,समेकित, चिंतनशील, निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान परिचर्चा,प्रायोगिकी, क्षेत्र कार्य,पैनल चर्चा, विचार –विमर्श, सामूहिक चर्चा, प्रस्तुतीकरण, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	सहयोगी अधिगम, विभेदित अनुदेशन, कम्प्युटर सहायित अनुदेशन
उपादान	लैपटॉप, स्मार्टबोर्ड, प्रोजेक्टर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8	लक्ष्य 9	लक्ष्य 10	लक्ष्य 11	लक्ष्य 12	लक्ष्य 13	लक्ष्य 14
1													X	
2													X	
3														X

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	• आधुनिक मीडिया प्रबंधन– डॉ भगवान देव पाण्डेय और मिथिलेश कुमार पाण्डेय, तक्षशीला प्रकाशन, नई दिल्लीAgrawal, R.D.Organization and Management- TMH, New Delhi • Stoner and Freeman, Management, Prentice Hall, N. Delhi. • Koontz, O' Donnell Wechrich, Principles of Management, McGrawHill, New York. • Peter F. Drucker, The Practice of Management, Allied Publishers. • Massie, Essentials of Management, AITBS, New Delhi. • Terry and Franklin,Principles of Management, AITBS, New Delhi. • Luthans Fred, Organizational Behaviour.,New York, McGraw Hill. • Robbins S.P., Organizational Behaviour, New Delhi, PHI. • Davis Keith, Human Behaviour at Work, TMH, New Delhi • Pareek Udai, Organizational Behaviour, Oxford, IBH, Mumbai • Hersey Paul and Blanchard, Management of

		Organizational Behaviour,Prentice Hall of India, New Delhi. • Uma Shekharan, Organization Behaviour, TMH, New Delhi. • . Dwivedi, R.S. Human Relations and Organizational Behaviour, Galgotia,New Delhi. • Advertising and Promotion : An Integrated Marketing Communications Perspective George Belch and Michael Belch, 2015, 10th Edition, McGraw Hill Education • Strategic Brand Management – Kevin Lane Keller, 4th Edition, 2013 – Pearson Education Limited • Advertising: Planning and Implementation, 2006 – Raghuvir Singh, Sangeeta Sharma – Prentice Hall • Advertising Management, 5th Edition, 2002 – Batra, Myers and Aaker – Pearson Education • Brand Equity & Advertising- Advertising's role in building strong brands, 2013- David A. Aker, Alexander L. Biel, Psychology Press • Brand Positioning – Strategies for Competitive Advantage, Subroto Sengupta, 2005, Tata McGraw Hill Publication. • Integrated Advertising, Promotion, and Marketing Communications, Kenneth E. Clow and Donald E. • Bell A. H. and Dayle Smith 1999 Management Communication, Singapore: John Wiley & Sons (Asia) Pvt. Ltd.
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. **पाठ्यचर्या का नाम: शोध की नैतिकता एवं अभ्यास**
2. **पाठ्यचर्या का कोड: BAJMC/RE/21**
3. **क्रेडिट: 04**
4. **सेमेस्टर: पाँचवा**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**32**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**08**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	**40/2**
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण: (Description of Course)

इस पाठ्य चर्या द्वारा छात्र शोध की नैतिकता, वैधता, विश्वसनियता को समझेंगे तथा शोध अभ्यास करेंगे

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

- शोध के नैतिकता का ज्ञान होगा
- शोध के अनुपामन प्रविधियों का ज्ञान होगा
- मीडिया के विभिन्न क्षेत्रों में शोध का अभ्यास करेंगे

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(**Contents** of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..**(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	शोध की विश्वसनीयता शोध की वैधता अनुमापन प्रविधियाँ अनुसंधान अभिकल्प	10 घंटे	02 घंटे	06/2 घंटे	15	25%
मॉड्यूल-2	प्रिंट मीडिया शोध इलेक्ट्रॉनिक मीडिया शोध विज्ञापन शोध बाजार शोध	10 घंटे	02 घंटे	06/2 घंटे	15	25%

मॉड्यूल-3	सर्वाधिकार (कॉपीराइट) शाब्दिक, वैचारिक चोरी (plagiarism) की अवधारणा साहित्यिक चोरी से बचाव साहित्यिक चोरी के स्तर	10 घंटे	02 घंटे	06/2 घंटे	15	25%
मॉड्यूल-4	**शोध अभ्यास**	02	02	22/2 घंटे	15	
योग		**32**	**08**	**40/2**	**60**	**100%**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा अध्यापन प्रायोगिक मूडल्स गूगल मीट
विधियाँ	व्याख्यान ई-व्याख्यान परिचर्चा सामूहिक परिचर्चा प्रस्तुतिकरण संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण
तकनीक	पावर पोईंट प्रेज़ेंटेशन दृश्य- श्रव्य माध्यम वेब पेज ब्लॉग सोशल मीडिया यू ट्यूब मूडल्स
उपादान	लैप टॉप मोबाइल मूडल्स

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8	लक्ष्य 9	लक्ष्य 10	लक्ष्य 11	लक्ष्य 12	लक्ष्य 13	लक्ष्य 14
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित	**X**	-	-	**X**	-	-	-	-	-	-	**X**	-	**X**	**X**

अधिगम परिणाम की प्राप्ति														

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्तअंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	डॉ. डी. एस. बघेल (2015). *सामाजिक अनुसंधान*. एस बी पी डी पब्लिशिंग हाउस राम आहूजा(2010). *सामाजिकअनुसंधान.* रावत पब्लिकेशन, डॉ॰ मनोज दयाल(2003). *मीडिया शोध.* पंचकूला: हरियाणा साहित्य अकादमी

		A. K. Singh (2015). *Tests, Measurements and Research Methods in Behavioural Sciences*. Bharati Bhawan. Wilkinson & Bhandarkar (2005). *Methodology and Techniques of Social Research*. Himalya Publishing House. Wimmer& Dominick (2003). *Mass Media Research*. Thomson Wadsworth.
3	ई-संसाधन	**https://swayam.gov.in/**
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. **पाठ्यचर्या का नाम: आतंरिक व्यावहारिक प्रशिक्षण/लघु परियोजना**

2. **पाठ्यचर्या का कोड: BAJMC/II/22**

3. **क्रेडिट: 04**

4. **सेमेस्टर:पंचम सेमेस्टर**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	--
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	--
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	120/2
कौशल विकास गतिविधियाँ	--
कुल क्रेडिट घंटे	60

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. **पाठ्यचर्याका नाम:टेलीविज़न पत्रकारिता**
2. **पाठ्यचर्याकाकोड: BAJMC/TJ/23**
3. **क्रेडिट: 04**
4. **सेमेस्टर: पंचम सेमेस्टर**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**26**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	04
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	**52/2**
कौशल विकास गतिविधियाँ	**04**
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. **पाठ्यचर्या विवरण:**इस पाठ्यचर्या के माध्यम से विद्यार्थी टेलीविज़न पत्रकारिता के विभिन्न पहलुओं को समझते हुए तकनीकी ज्ञान अर्जित कर सकेगा साथ ही टेलीविज़न पत्रकारिता के विभिन्न पहलुओं से अवगत होने के साथ-साथ टेलीविज़न पत्रकारिता के क्षेत्र में कैरियर निर्माण योग्यता में भी सक्षम हो सकेगा। **(**Description of Course)

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

- टेलीविज़न समाचारोंको आवश्यकता के अनुरूप विकसित करने में सक्षम।
- टेलीविज़न कार्यक्रम का निर्माणएवं संपादन करने में सक्षम।
- टेलीविज़न समाचारों का प्रसारण करने की क्षमता का विकास।
- टेलीविज़न समाचार चैनलों में एंकर/रिपोर्टर के रूप में कार्य करने की क्षमता।
- समाचार प्रस्तुतिकारण की कार्यक्षमता का विकास।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल/ संवाद (यदि अपेक्षित हैं)	प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**टेलीविज़न पत्रकारिता परिचय** • टेलीविज़न पत्रकारिता: अवधारणा -टेलीविज़न पत्रकारिता से आशय • टेलीविज़न समाचार चैनल • टेलीविज़न समाचार चैनलों की संरचना • टेलीविज़न पत्रकारिता के क्षेत्र	08	02	05	15	25

मॉड्यूल-2	**टेलीविज़न समाचार लेखनएवं प्रस्तुतीकरण** • टेलीविज़न समाचार लेखन की संरचना • समाचारों की भाषा एवं प्रस्तुतीकरण -वॉइस ओवर -पीस टू कैमरा (पीटीसी) -बाईट • रन डाउन -महत्व एवं उपयोगिता • समाचार कार्यक्रम विधाएं -टॉक शो, चैट शो, पैनल चर्चा	06	02	07	15	25
मॉड्यूल-3	**टेलीविजन पत्रकारिता उपकरण एवं तकनीक** • टेलीविजन एंकर -गुण, विशेषताएं,दायित्व,सावधानियांएवं चुनौतियां • टेलीविज़न रिपोर्टर : -गुण, विशेषताएं, दायित्व,सावधानियांएवं चुनौतियां • माइक्रोफोन : प्रकार एवं चयन • टेलीप्रोंप्टर -उपयोग एवं महत्व	06	02	07	15	25
मॉड्यूल-4	**टेलीविज़न समाचार संपादन तकनीक** • संपादन : अवधारणा -संपादन आवश्यकता एवं महत्व • टेलीविजन कार्यक्रमों का संपादन • संपादन साफ्टवेयर का परिचय शॉर्टकट, ऑडासिटी • ओबी वैन प्रसारण -सीधा प्रसारण एवं कमेंट्री	06	02	07	15	25
योग		**26**	**08**	**52/2**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विवेचनात्मक, निगमनात्मक/अनुमानात्मक, अंतरानुशासनिक,समेकित, चिंतनशील, निर्माणवादी, कक्षा अध्यापन, प्रायोगिक, मूडल्स, गूगल मीट।
विधियाँ	व्याख्यान परिचर्चा, पैनल चर्चा, विचार –विमर्श, सामूहिक चर्चा, प्रस्तुतीकरण, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	सहयोगी अधिगम, विभेदित अनुदेशन, कम्प्युटर सहायित अनुदेशन,पावर,पोईंट प्रेज़ेंटेशन,दृश्य- श्रव्य माध्यम ,वेब पेज ,ब्लॉग ,सोशल मीडिया ,यू ट्यूब,मूडल्स।
उपादान	लैपटॉप, स्मार्टबोर्ड, प्रोजेक्टर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8	लक्ष्य 9	लक्ष्य 10	लक्ष्य 11	लक्ष्य 12	लक्ष्य 13	लक्ष्य 14
						X		X	X				X	X

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	• कुमार, केवल जे. (2017). *मास कम्युनिकेशन इन इंडिया* (हिंदी एवं अंग्रेजी संस्करण). मुंबई: जायको पब्लिकेशन. • जैदी, एच एच मुस्तफा. (2001). *टेलीविज़न समाचार लेखन और वाचन.* लखनऊ: सुलभ प्रकाशन. • पचौरी, सुधीश. (2000). *दूरदर्शन : विकास से बाज़ार तक* (द्वितीय संस्करण).नई दिल्ली: प्रवीण प्रकाशन. • Kamath, M V. (2002). *Professional journalisam.*New Delhi: Vikas • बाजपेई, पुण्य प्रसून. (2006). *एंकर रिपोर्टर.* नई दिल्ली: राजकमल प्रकाशन. • सिंह, डॉ. देवव्रत. (2007). *भारतीय इलेक्ट्रॉनिक मीडिया.* दिल्ली: प्रभात प्रकाशन. • कठेरिया, डॉ. धरवेश और सिंह, डॉ. महावीर. (2015). *दूरदर्शन माध्यम और तकनीक*. दिल्ली: नेहा प्रकाशन. • वजाहत, असगर और रंजन, प्रभात. (2001). *टेलीविज़न लेखन.* दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड.
3	ई-संसाधन	**https://swayam.gov.in/** **https://epgp.inflibnet.ac.in/** **http://hindivishwa.org/contentdtl.aspx?category=11** **https://www.openschoolofjournalism.com/** **https://www.indiantelevision.com/** **https://home.kpmg/in/en/home.html**
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. पाठ्यचर्याका नाम: समसामयिक मुद्दों पर लेखन

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	08
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	24/2
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

2. पाठ्यचर्याकाकोड: BAJMC/CW/24

3. क्रेडिट:- 04

4. सेमेस्टर:- पंचम

5. पाठ्यचर्या विवरण:-

(Description of Course)

प्रस्तुत पाठ्यचर्या में राष्ट्रीय स्तर के राजनैतिक मुद्दे, सुरक्षा, पर्यावरण, मानवाधिकार, महिला एवं राजनीति से संबंधित मुद्दे, भारतीय अर्थव्यवस्था का स्वरूप एवं आय के स्त्रोत, शिक्षा से संबंधित मुद्दे नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, - सामाजिक स्वास्थ्य के मुद्दे आदि प्रमुख बिंदु शामिल हैं।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: -

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

1) भारतीय मीडिया के लिए मानक उत्कृष्टता के लेखनकार्य हेतु प्रशिक्षित करना।
2) मीडिया संस्थानों के प्रशिक्षण हेतु समसामयिक मुद्दे के लेखन हेतु निपुण बनाना।
3) लेखनीय उपक्रम के लिए राष्ट्रीय एवं विविध सामाजिक मुद्दों के प्रति समझ विकसित करना।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course)**

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल/ संवाद** (यदि अपेक्षित हैं)	**प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..**(Interaction/ Training/ Laboratory)		

मॉड्यूल-1	**राष्ट्रीय स्तर के राजनैतिक मुद्दे** -भारतीय संसद का स्वरूप एवं प्रक्रिया -भारतीय राजनीतिक मुद्दे -मानवाधिकार से संबंधित मुद्दे -महिलाओं से संबंधित मुद्दे - सुरक्षा के मुद्दे - पर्यावरण के मुद्दे	10	02	0**6/2**	15	**25%**
मॉड्यूल-2	**आर्थिक मुद्दे** -भारतीय अर्थव्यवस्था का स्वरूप एवं आय के स्त्रोत - भारत की प्रमुख आर्थिक नीतियां - मौद्रिक तथा राजकोषीय नीति -आयात – निर्यात नीति -वार्षिक बजट से सम्बंधित मुद्दे -कृषि एवं उद्योग से संबंधित मुद्दे	10	02	0**6/2**	15	**25%**
मॉड्यूल-3	**शिक्षा के मुद्दे** -प्राथमिक और उच्च शिक्षा का स्वरूप -प्राथमिक शिक्षा के मुद्दे -उच्च शिक्षा के मुद्दे - नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020	10	02	0**6/2**	15	**25%**
मॉड्यूल-4	**स्वास्थ्य संबंधित मुद्दे** - सामाजिक स्वास्थ्य के मुद्दे -बच्चों एवं महिलाओं के स्वास्थ्य	10	02	0**6/2**	15	**25%**

	- सरकारी स्वास्थ्य कार्यक्रम - राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति					
योग		**40**	**08**	**24/2**	**60**	**100%**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विवेचनात्मक, निगमनात्मक/अनुमानात्मक, अंतरानुशासनिक,समेकित, चिंतनशील, निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान परिचर्चा, पैनल चर्चा, विचार –विमर्श, सामूहिक चर्चा, प्रस्तुतीकरण, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	सहयोगी अधिगम, विभेदित अनुदेशन, कम्प्युटर सहायित अनुदेशन
उपादान	लैपटॉप, स्मार्टबोर्ड, प्रोजेक्टर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8	लक्ष्य 9	लक्ष्य 10	लक्ष्य 11	लक्ष्य 12	लक्ष्य 13	लक्ष्य 14
1		X		X		X								
2		X		X		X							X	
3		X		X		X								

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	• भारतीय स्वंतत्रता आंदोलन का इतिहास –डॉ. तारा चंद्र, प्रकारशन विभाग 1978 • भारतीय संविधान –सुभाष कश्यप, नैशनल बुक ट्रस्ट - 2010 • भारत – 2020 प्रकाशन विभाग • राष्ट्रीय महिला आयोग वार्षिकीरिपोर्ट • समसामयिक पत्र पत्रकाएँ
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

पाठ्यचर्याका नाम: क्षेत्र भ्रमण

पाठ्यचर्या का कोड: BAJMC/FV/25

क्रेडिट: 02

सेमेस्टर: पंचम सेमेस्टर

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	--
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	--
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	**60/2**
कौशल विकास गतिविधियाँ	--
कुल क्रेडिट घंटे	**30**

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

पाठ्यचर्याका नाम: परियोजना कार्य एवं मौखिकी

पाठ्यचर्या का कोड: BAJMC/PW/26

क्रेडिट: 04

सेमेस्टर:षष्ठम सेमेस्टर

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	--
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	--
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	**120/2**
कौशल विकास गतिविधियाँ	--
कुल क्रेडिट घंटे	60

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

पाठ्यचर्या का नाम: प्रिंट मीडिया प्रोडक्शन (प्रायोगिक)

पाठ्यचर्या का कोड: BAJMC/PP/27

क्रेडिट: 04
सेमेस्टर: षष्ठम सेमेस्टर

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	--
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	--
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	120/2
कौशल विकास गतिविधियाँ	--
कुल क्रेडिट घंटे	60

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

पाठ्यचर्याका नाम: टेलिविज़न प्रोडक्शन (प्रायोगिक)

पाठ्यचर्या का कोड:BAJMC/TP/28

क्रेडिट: 04
सेमेस्टर:षष्ठम सेमेस्टर

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	--
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	--
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	120/2
कौशल विकास गतिविधियाँ	--
कुल क्रेडिट घंटे	60

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

पाठ्यचर्याका नाम: डिजिटल मीडिया प्रोडक्शन (प्रायोगिक)

पाठ्यचर्या का कोड: BAJMC/DP/29

क्रेडिट: 04
सेमेस्टर:षष्ठम सेमेस्टर

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	--
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	--
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	120/2
कौशल विकास गतिविधियाँ	--
कुल क्रेडिट घंटे	60

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

पाठ्यचर्याका नाम: रेडियो प्रोडक्शन (प्रायोगिक)

पाठ्यचर्या का कोड: BAJMC/RP/30

क्रेडिट: 02
सेमेस्टर:षष्ठम सेमेस्टर

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	--
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	--
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	60/2
कौशल विकास गतिविधियाँ	--
कुल क्रेडिट घंटे	30

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना
Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1.विश्वविद्यालय के उद्देश्य(Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदीविश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधान संख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

विद्यापीठ के लक्ष्य -

हिंदी माध्यम से उच्च शिक्षा में मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान के विषयों यथा जनसंचार, जनजातीय अध्ययन व समाज कार्य, इतिहास विभाग, राजनीति शास्त्र और समाज शास्त्र के अध्ययन और अनुशीलन को बढ़ावा देकर ज्ञान का विस्तार करना। मानविकी एवं सामाजिक वित्रान विद्यापीठ के अंतर्गत संचालित जनसंचार विभाग, मानव विज्ञान विभाग, महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य केंद्र, इतिहास विभाग, राजनीति शास्त्र और समाज शास्त्र विभाग के पाठ्यक्रमों का उद्देश्य शिक्षार्थी को रोजगार के अधिकाधिक अवसर उपलब्ध कराना और उसे समर्थ और कुशल व्यक्तित्व उपलब्ध कराना है।

विभाग/केंद्र की कार्य-योजना -

जनसंचार विभाग संपूर्ण भारत की विभिन्न भाषाओं में गुंथी हुई संचार व्यवस्था केंद्रित अध्ययन वअनुसंधान को समर्पित है।

विभाग का ध्येय -

1. संचार की वाचिक परंपरा तथा लिपिविहीन समाजों की संचार संपदा का संकलन और अध्ययन।
2. हिंदी मीडिया की भाषा में हो रहे विकास और ह्रास का अनुशीलन और समुचित दिशा देने का यत्न।
3. स्थान और समय की चुनौतियों के अनुरूप हिंदी मीडिया की भाषा का सिद्धांत निर्माण।
4. इंटरनेट पर उपलब्ध ज्ञान का उपयोग करना और अपने ज्ञान को उस पर अपलोड करना और डिजिटल आर्काइव बनाना।
5. भारत की विभिन्न भाषाओं के मीडिया के साथ हिंदी मीडिया का संबंध जोड़ना और विभिन्न भाषाओं की पत्रकारिता में सहकार संबंध स्थापित करना।भारत की समस्त भाषाओं के मीडिया में संचार सौंदर्य का संकलन और अनुशीलन।
6. सही और गलत समाचारों को अलग करने का शास्त्र और उसकी तकनीक विकसित करना और उसका प्रशिक्षण देना।
7. भोजपुरी, अवधी, बघेली, बुंदेलखंडी, अंगिका, ब्रज, हरियाणवी आदि बोलियोंवाले समाज तथा हिंदीतर भाषाओं के सांस्कृतिक संचार के रूपक और प्रतिमानों का अध्ययन और संकलन।

ध्येयपूर्ति हेतु कार्य योजना-

1. हिंदी मीडिया की भाषा के स्वरूप को गढ़ना और निरंतर समृद्ध करते रहना। उदाहरण के लिए मुबंई के हिंदी मीडिया में मुंबइया हिंदी, हैदराबाद में हैदराबादी हिंदी, कलकत्ता में कलकतिया हिंदी, भोपाल के हिंदी मीडिया में भोपाली हिंदी के संचार प्रभावों का अध्ययन। विज्ञापन की भाषा में भी स्थानीय भाषा के प्रयोग की संभावनाओं का अध्ययन।
2. किसान की भाषा, मजदूर की भाषा, व्यापारियों की भाषा, निम्न मध्यवर्गीय भाषा, सधुक्कड़ी भाषा, घुमंतू और विलुप्त हो रही जनजातियों की भाषा के संचार प्रभावों का अध्ययन।
3. जनभाषा, शास्त्र की भाषा और बाजार की भाषा के बीच संवाद स्थापित करते हुए मुद्रित, दृश्य- श्रव्य और नव माध्यम के लिए लेखन का प्रशिक्षण।
4. वर्तनी का मानकीकरण, सरलीकरण और देसीकरण। तदनुसार मीडिया पाठ्यक्रम तैयार करना और प्रशिक्षण का प्रबंध करना।
5. हिंदी मीडिया का शब्द निर्माण। शब्द कोश निर्माण।

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)